• वर्ष-3
• अंक-205
रायपुर, सोमवार
08 अप्रैल 2024
• पृष्ठ-8
• मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› आरोग्य और स्वच्छता की देवी हैं....

प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार खत्म करना चाहते हैं जबकि 'इंडिया' गठबंधन भ्रष्टाचारियों को बचाना चाहता है : नड्डा

अरियालूर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को आरोप लगाया कि जमानत पर रिहा या जेल में बंद 'इंडिया' गठबंधन के नेता भ्रष्ट लोगों को बचाने के लिए प्रयासरत हैं जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश से भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जैसे नेता जेल में हैं जबकि सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेता जमानत पर हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी विकास के पक्षधर हैं और भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

यहां एक रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि मैं भ्रष्टाचार खत्म कर दूंगा, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन के नेता कहते हैं भ्रष्ट लोगों को बचाओ। यही उनकी (विपक्ष की) कार्यशैली है। तमिलनाडु में द्रमुक और उसकी सहयोगी कांग्रेस भ्रष्ट है। वे सभी अपने परिवारों, वंशों और खुद को उनके भ्रष्टाचार से बचाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि देश भर में विपक्षी नेता परिवारवादी पार्टियों से हैं और अपने वंशवाद और परिवारवाद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए भ्रष्ट द्रमुक सरकार के तहत तमिलनाडु में विकास भी दांव पर है और लोगों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए द्रमुक और उसके सहयोगियों को उखाड़ फेंकना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि यहां जो उत्साह, जोश और जीवंतता उन्होंने देखी उससे उन्हें विश्वास है कि लोग भाजपा उम्मीदवारों को संसद में भेजेंगे। नड्डा ने द्रमुक और कांग्रेस पर तमिल संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों के खिलाफ जाने का आरोप लगाया और कहा कि इसका अंदाजा मोदी द्वारा संसद में सेंगोल की स्थापना से लगाया जा सकता है जब उन्होंने (द्रमुक और कांग्रेस) इसका विरोध किया था।''

उन्होंने कहा, ''इस लड़ाई में हम तमिल संस्कृति को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं जबकि वे तमिल संस्कृति को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। आपको यह समझना चाहिए।'' नड्डा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विकास के लिए 'लंबी छलांग' लगाई है और भारत, जो 2019 में दुनिया की 11 वीं आर्थिक शक्ति था, मोदी के नेतृत्व में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। उन्होंने कहा कि जब वह तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे तो देश, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

नड्डा ने विभिन्न क्षेत्रों में भाजपा नीत सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि मोदी ने वंचित तबके पर ध्यान केंद्रित करके, महिलाओं और किसानों को सशक्त बनाकर और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा कर भारत को मजबूत बनाया। उन्होंने कहा, ''मोदी के लिए तमिलनाडु बहुत खास है। उन्होंने राज्य को कर हस्तांतरण तीन गुना और केंद्र से अनुदान सहायता चार गुना बढ़ाया।

उन्होंने स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (1,650 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ) के तहत तमिलनाडु के लिए अधिक धनराशि का आवंटन सुनिश्चित किया, इसके अलावा ग्रामीण सड़कों के विकास के लिए 613 करोड़ रुपये, पेयजल के लिए 872 करोड़ रुपये, ग्रामीण विकास कार्यों के लिए 10,346 करोड़ रुपये आवंटित किए और राज्य के लिए रेलवे बजट को 7 गुना बढ़ा दिया।'' नड्डा ने रैली में कहा, ''एक तरफ हमारे पास देश और तमिलनाडु के लिए काम करने वाले प्रधानमंत्री हैं वहीं दूसरी तरफ आपके पास इंडिया गठबंधन है जो परिवार, वंशवाद बचाने के लिए काम कर रहा और केवल भ्रष्ट दलों का एक समूह है।

हम जनता को जनार्दन मानते हैं जबकि कांग्रेस के लोग एक परिवार को : राजनाथ

जयपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दावा किया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का 'ट्रैक रिकॉर्ड' शानदार रहा है क्योंकि वह जनता को जनार्दन मानती है जबकि कांग्रेस के लोग एक परिवार को। राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा जनता से किये गये सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीकानेर के कोलायत में सिंह ने भाजपा उम्मीदवार अर्जुनराम मेघवाल के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति का ट्रैक रिकार्ड बेहद शानदार है और इसलिये शानदार है क्योंकि हम जनता को जनार्दन मानते है और कांग्रेस के लोग एक परिवार को।'' उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाती है तो उन्हें दुख होता है। सिंह ने कहा, ''कांग्रेस हमारी सेना के जवानों पर सवाल उठाती है। वे सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगते हैं। पूरी दुनिया को सबूत मिल गया है, सिर्फ कांग्रेस को नहीं मिला।'' उन्होंने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा का समर्थन करते हुए कहा कि इससे देश का पैसा, समय और संसाधन बचेंगे। उन्होंने कहा, एक देश, एक चुनाव को लोगों का समर्थन मिलेगा लेकिन कांग्रेस आदतन इसका विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत 2027 की शुरुआत तक अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। राजस्थान में 19 और 26 अप्रैल को दो चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे।

नया भारत अपने नागरिकों को सुरक्षा देना भी जानता है

जयपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि नया भारत अपने नागरिकों को सुरक्षा देना भी जानता है और अपनी सीमाओं की सुरक्षा करना भी जानता है। साथ ही आदित्यनाथ ने प्रश्न किया कि क्या आतंकवादियों को मारा जाना सही नहीं है। आदित्यनाथ ब्रिटेन के प्रतिष्ठित समाचार पत्र 'द गार्जियन' की रिपोर्ट का जिक्र कर रहे थे जिसमें दावा किया गया था कि भारतीय खुफिया एजेंसियां 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति बढ़े दृष्टिकोण के तहत पाकिस्तान में लक्षित हत्याओं में शामिल थीं। राजस्थान के भरतपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''तीन दिन पहले ब्रिटेन के एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र ने कहा था कि पाकिस्तान के अंदर 20 दुर्दांत आतंकवादी मारे गए हैं और यह संभव है कि भारत ने उन्हें मारा हो। जो लोग कल तक उन आतंकियों को पनाह देते थे वे अब एयर स्ट्राइक के डर से भारत के खिलाफ कुछ भी बोलने की हिम्मत नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''गार्जियन की रिपोर्ट और स्त्रोत का आधार क्या है यह हम नहीं जानते.. लेकिन यह नया भारत है अपने नागरिकों को सुरक्षा देना भी जानता है और अपनी सीमाओं की सुरक्षा करना भी जानता है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया भारत का सम्मान करती है। उन्होंने कहा, ''जब कोई भारतीय नागरिक विदेश जाता है तो उसे सम्मान मिलता है। सीमाएं सुरक्षित हैं, नक्सलवाद, उग्रवाद और आतंकवाद समाप्त हो गया है।'' उन्होंने मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य आरोपी पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को जेल में मटन बिरयानी खिलाए जाने संबंधी खबरों का जिक्र करते हुए कहा,''एक तरफ, रिपोर्ट (द गार्जियन द्वारा) कहती है कि आतंकवादियों का सफाया वर्तमान सरकार करा रही है और दूसरी तरफ कांग्रेस सरकार थी जो आतंकवादियों को बिरयानी खिलाती थी। उन्होंने प्रश्न किया, ''आतंकवादियों को मारा जाना चाहिए या नहीं? वे समाज पर बोझ हैं और सभी की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। कांग्रेस गरीबों को भूखा रखेगी लेकिन आतंकवादियों को बिरयानी खिलाएगी।

केजरीवाल की गिरफ्तार के खिलाफ आप का सत्याग्रह

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी फ्रंट फुट पर है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। देशभर में दिल्ली सीएम की गिरफ़्तारी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी आज जंतर-मंतर पर %सामूहिक उपवास% के लिए एकत्र हुई। इस दौरान मंच से संजय सिंह ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा।

संजय सिंह ने कहा कि जब मैं जेल से बाहर आया तो पहले दिन तो मुझे ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन जब अगले दिन साथियों से बात की, पूरी जानकारी मिली और पता चला कि कितनी बड़ी गहरी साजिश की तहत आपके नेता अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है। याद रखना गहरी साजिश के तहत मैं कह रहा हूँ। जंतर मंतर की ऐतिहासिक धरती से मैं पूरे देश को बताना चाहता हूँ %अरविंद केजरीवाल ईमानदार थे, ईमानदार हैं, ईमानदार रहेंगे, अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे, मुख्यमंत्री हैं, मुख्यमंत्री रहेंगे%।

उन्होंने आगे कहा, %गहरी साजिश मैं क्यों कह रहा हूँ। गहरी साजिश इसलिए कह रहा हूँ कि भारतीय जनता पार्टी ने जो मुकदमा बनाया है केजरीवाल के खिलाफ, 10वीं का बच्चा अगर सुनेगा, ईडी तो छोड़ दो, होमगॉर्ड को जांच करने के लिए दे दिया जाए, सिविल डिफेंस वालों को भी जांच करने के लिए दे दिया जाए तो तीन घंटे के अंदर बता देगा कि ये फर्जी मुकदमा है।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तार पर सवाल उठाते हुए आप नेता ने कहा, कैसे गिरफ्तार किया गया केजरीवाल को, 162 गवाह ईडी के हैं, 294 गवाह सीबीआई के हैं, दोनों जांच एजेंसियो को मिलाकर 456 गवाह हैं। दोनों जांच एजेंसियो ने मिलाकर 50,000 पन्ने की चार्जशीट तैयार की है।

टीवी पर जो भगवान की प्रतिमूर्ति थे आज वह साक्षात आपके सम्मुख उपस्थित हैं

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को मेरठ संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अरुण गोविल के समर्थन में मतदाताओं को साधते हुए कहा कि जो टेलीविजन पर भगवान की प्रतिमूर्ति थे आज वह साक्षात आपके सम्मुख उपस्थित हैं। स्मृति ईरानी ने रविवार को यहां गढ़ मार्ग स्थित राधा गोविंद मंडप में आयोजित एक सम्मेलन में कहा, '' हर व्यक्ति ने अपने जीवन में इस सत्य को जिया है कि जब-जब हमें ललकार पड़ी तब-तब हमने भगवान का दरवाजा खटखटाया। राम से मांगा राम ने दिया।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन, मेरठ लोकसभा क्षेत्र अपने आप में इसलिए भाग्यशाली है कि जो टीवी पर भगवान की प्रतिमूर्ति थे आज वह साक्षात प्रत्याशी के नाते आपके सम्मुख उपस्थित हैं।'' रामानंद सागर कृत टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान श्रीराम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल को मेरठ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है। स्मृति ईरानी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा।

प्रमुख समाचार

नीतीश के बयान पर बिहार के तेजस्वी ने किया पलटवार

पटना। बिहार के नवादा में रविवार को एनडीए गठबंधन की एक चुनावी जनसभा हुई, जिसमें सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधा।

सीएम नीतीश ने लालू-राबड़ी पर निशाना साधते हुए लोगों को %जंगलराज% की याद दिलाई। इतना ही नहीं अपने भाषण में नीतीश ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी का भी जिक्र किया। बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा, %कुछ दिन के लिए लोग मेरे साथ आए। एक बार हम गलती से उसको कुछ दिन के लिए लाए। अब वह सब जगह घूम-घूमकर कहा रहा है कि सारा काम हम किए। हम आपको भरोसा दिलाते है कि हम अब कहीं नहीं जाएंगे। बिहार सीएम नीतीश कुमार के बयान पर बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राजद नेता तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। तेजस्वी ने कहा, मुख्यमंत्री ने जो कहा उसमें कुछ नया है? जब वह हमारे साथ थे तो उन्होंने बीजेपी के बारे में कई बातें कही थीं। उन्होंने कहा था कि वह मर जाएंगे लेकिन बीजेपी के साथ नहीं जाऊंगा। प्रधानमंत्री और बीजेपी के लोग डरे हुए हैं, अगर चुनाव जीत चुके हैं.

रविशंकर ने टीएमसी सरकार पर साधा निशाना

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने पूर्व मेदिनीपुर जिले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की टीम पर हुए हमले को लेकर पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की शनिवार को आलोचना की। प्रसाद ने कहा कि इससे पहले राज्य के संदेशखालि इलाके में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हमला किया गया था। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने भीड़ द्वारा जांच एजेंसी की टीम पर हमले के बीच 2022 विस्फोट मामले में दो प्रमुख साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ग्रामीणों का बचाव करते हुए यह दावा किया कि एनआईए के अधिकारी 2022 में पटाखों में विस्फोट की एक घटना को लेकर पूर्व मेदिनीपुर जिले में तड़के कई घरों में घुस गए थे और आत्मरक्षा के रूप में ग्रामीणों ने एनआईए की टीम पर यह हमला किया। भाजपा नेता ने पीटीआई-वीडियो से कहा,''यह एनआईए को तय करना है कि कहां और कब छापेमारी करनी है। और ममता बनर्जी क्यों चाहती हैं कि पुलिस को सूचित किया जाए? ताकि उनकी तृणमूल कांग्रेस के गुंडे सतर्क हो जाएं और उन्हें भागने दिया जाए? ''

भाजपा ने केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को मध्य दिल्ली के कनॉट प्लेस में विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के मरम्मत किए गए सरकारी बंगले की एक कथित प्रतिकृति भी रखी थी। उन्होंने इसे 'शीशमहल' करार देते हुए मरम्मत कार्य में अनियमितता का आरोप लगाया। भाजपा ने प्रदर्शन स्थल पर 'शराब से शीशमहल तक' नाम से एक सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित की जहां पर कथित आबकारी घोटाले में आरोपी 'आप' नेताओं की शराब की बोतल के आकार के कटआउट लगाए गए थे। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता, राष्ट्रीय राजधानी से लोकसभा चुनाव के लिए घोषित किए पार्टी उम्मीदवार, विधायक और पार्षद इस विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाए उनके इस्तीफे की मांग की। ईडी ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में 21 मार्च को दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया था। वह 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक दिन का अनशन करने के लिए एकत्रित हुए।

नासा की अद्भुत तैयारी! सूर्य ग्रहण 2024 के हर नजारे को कैद करेंगे

नई दिल्ली। आखिरकार वो दिन आ गया है जिसका सबको कई महीनों से इंतजार था। जी हां, आज (8 अप्रैल 2024) साल का पहला सूर्य ग्रहण है। सबसे खास बात है कि आज पड़ने वाला सूर्य ग्रहण इसलिए खास है क्योंकि पृथ्वी के कुछ हिस्सों पर पर थोड़ी देर के लिए पूरी तरह अंधेरा छा जाएगा। जानकारी के मुताबिक, आज लगने वाला ग्रहण पिछले 54 सालों में सबसे खास है। आज होने वाले 'once-in-a-lifetime' इवेंट की बात करें तो पूर्ण सूर्य ग्रहण का अद्भुत नजारा करीब 4 मिनट तक आसमान में दिखेगा। लेकिन अगर आज आसमान में बादल छाए रहते हैं तो लोग इसे नहीं देख पाएंगे। और यही वजह है कि कुछ लोग जेट प्लेन के जरिए इस ग्रहण का पीछा करेंगे। जी हां, नासा ने खासतौर पर ग्रहण के इस नजारे को कैमरे में कैद करने के लिए जेट प्लेन लगाए हैं। बता दें कि कई बार ऐसा होता है कि ग्रहण के समय आसमान में बादल छाए रहते हैं। और अगर ऐसा हुआ तो जमीन पर लोग या स्पेस एंजेंसी इस नजारे को कैमरे में कैद नहीं कर पाएंगे। दुनियाभर में कई सारे ऑर्गनाइजेशन पूर्ण सूर्य ग्रहण के इस नजारे के अध्ययन और रिसर्च के लिए सालों से तैयारियां करती हैं। किसी भी तरह की मुश्किल में सूर्य ग्रहण का यह नजारा कैद होने से ना रह जाए.

अमृतपाल सिंह की मां को पंजाब पुलिस ने किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में 'वारिस पंजाब दे' प्रमुख और खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह को असम की जेल से पंजाब की जेल में स्थानांतरित करने की मांग को लेकर प्रस्तावित मार्च से एक दिन पहले रविवार को उसकी मां बलविंदर कौर को गिरफ्तार कर लिया गया। अमृतपाल सिंह को पिछले साल अप्रैल में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाया गया था। अमृतपाल सिंह और उसके नौ साथी इस समय असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। पुलिस उपायुक्त आलम विजय सिंह ने रविवार को बताया कि अमृतपाल सिंह की मां बलविंदर कौर को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। डीसीपी ने कहा कि उन्हें एहतियातन हिरासत में लिया गया है। अधिकारी ने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। करीब एक महीने पहले कट्टरपंथी संगठन 'वारिस पंजाब दे' के चीफ और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह और उसके नौ सहयोगियों के खिलाफ सुरक्षा चूक मामले में असम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की थी। असम पुलिस ने इस मामले में डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल के अधीक्षक निपेन दास को गिरफ्तार किया था। इतना ही नहीं निपेन दास पर यूएपीए के तहत कार्रवाई की गई थी। इसके अलावा आपराधिक साजिश रचने, असम प्रिजनर्स एक्ट के तहत उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

न कोई रैली, न जनसभा, पोस्टर भी नदारद, जातीय संघर्ष से जूझ रहे मणिपुर में चुनाव अभियान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव को लेकर देश के सभी राज्यों में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। वहीं एक साल से जातीय हिंसक संघर्ष से जूझ रहे मणिपुर में हालात कुछ अलग ही है। यहां न किसी तरह की रैली हो रही है और ही जनसभाएं। हालात यहां तक हैं कि शायद ही आपको कहीं पोस्टर-बैनर भी लगा हुआ मिल जाए। सभी मतदाता शांत हैं। यहां के लोग इस जातीय संघर्ष से उभर नहीं पा रहे हैं। ऐसे में 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्टर सुकृता बरुआ ने चुनावी वक्त में मणिपुर के हालात जानने की कोशिश की है।

इम्फाल के चिंगमखा क्षेत्र की मीरा पैबीस रात 9 बजे एक छोटी सी गार्ड-पोस्ट पर अपनी रात्रिकालीन निगरानी शुरू करती हैं। शनिवार को रात करीब 9.40 बजे आंतरिक मणिपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के लिए काम करने वाली दो महिला कार्यकर्ता 10 मिनट के लिए उनके साथ शामिल हुईं।

उनमें से एक महिला ने कहा कि हम आज रात अलग-अलग जगहों पर जा रहे हैं, ताकि कुछ ऐसे लोगों से मिल सकें, जिनके पड़ोस में अच्छे संबंध हैं, खासकर महिलाओं से, ताकि वे हमारे उम्मीदवार को बेहतर तरीके से जान सकें, और इलाके के अन्य लोगों से भी उम्मीदवार को लेकर बात कर सकें।

मणिपुर की शक्तिशाली मैतेई महिला कार्यकर्ताओं मीरा पैबिस के साथ एक छोटी, शांत बातचीत के बाद वे अपने अगले पड़ाव की ओर बढ़ती हैं। मणिपुर की असहज हवा में जहां लगातार तनाव के कारण चुनावी प्रक्रिया को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है, चुनाव अभियान पूरी तरह से शांत अपने निम्नतर स्तर पर है। आंतरिक मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र में राज्य की दो सीटों में से एक और जो मैतेई-बहुल घाटी क्षेत्र के अधिकांश हिस्से को कवर करती है, वहां छह उम्मीदवार मैदान में हैं।

यहां उम्मीदवारों में प्रमुख चेहरे राज्य के कैबिनेट मंत्री और भाजपा के पूर्व आईपीएस अधिकारी थौनाओजम बसंत सिंह हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अकादमिक और एसोसिएट प्रोफेसर बिमोल अकोइजम है, जो कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में अपनी राजनीतिक शुरुआत कर रहे हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के महेश्वर थौनाओजम और मणिपुर पीपुल्स पार्टी के आर के सोमेंद्र (कैकू) दोनों राजनेता बनने से पहले लोकप्रिय अभिनेता थे। इन सब उम्मीदवारों को लेकर यहां कोई रैलियां और जनसभा नहीं हो रही है। साथ ही उम्मीदवार को लेकर कोई पोस्टर भी नहीं लगा है। राज्य में लगभग एक साल के हिंसक संघर्ष के बाद घाटी में खुले चुनाव प्रचार के खिलाफ जनता की अस्वीकृति स्पष्ट है। सशस्त्र कट्टरपंथी समूह अरामबाई तेंगगोल द्वारा जारी एक फरमान के माध्यम से इसे ठोस रूप दिया गया। जिसमें चुनाव अभियानों, दावतों, लाउडस्पीकरों का उपयोग करने वाली बैठकों और ध्वज फहराने को लेकर हतोत्साहित किया गया है। उन्होंने एक बयान में घोषणा की, ये स्थिति को खराब कर सकते हैं और हमारे समुदाय के भीतर और अधिक विभाजन पैदा कर सकते हैं जो स्थिति के लिए हानिकारक हो सकते हैं। यही वजह है कि उम्मीदवार मुख्य रूप से कैमरा के माध्यम से मतदाताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। जिसमें स्थानीय नेताओं के घरों या निजी कार्यालों में 20-50 लोग शामिल होते हैं। उसके बाद प्रत्याशी वीडियो कैमरा के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। कुछ जगहों पर प्रत्याशी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। भाजपा ने घर-घर जाकर बैठकें करने के लिए पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को तैनात किया है। राज्य के एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने चल रहे अभियान की तुलना उस तरीके से की जिस तरह से पार्टी पहले अभियान चलाती थी। भाजपा नेता ने कहा कि आमतौर पर, प्रधा मंत्री, गृह मंत्री, मुख्यमंत्री सभी हजारों लोगों के साथ बड़ी रैलियां करते हैं। अब, बंद कमरे में बैठकों के साथ-साथ, हम बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर अभियान चला रहे हैंज् हमारे यहां कोई राष्ट्रीय नेता नहीं हैं उन्होंने कहा, अगर राष्ट्रीय नेता राज्य में प्रचार के लिए आते हैं, तो इससे लोगों को यह कहने का मौका मिल सकता है कि वे संघर्ष के समाधाना के लिए नहीं, बल्कि वोट के लिए आए हैं। इनमें से कुछ उम्मीदवार, विशेष रूप से बिमोल अकोइजाम और महेश्वर चल रहे संघर्ष पर अपनी राय के बारे में बहुत मुखर रहे हैं। मीडिया, विशेष रूप से सोशल मीडिया कई मतदाताओं के लिए अपने उम्मीदवारों के विचारों के बारे में जानने का एकमात्र साधन है। यहां एक मतदाता पटसोई ने कहा कि आमतौर पर मैंने कभी भी लोकसभा चुनाव की परवाह नहीं की है। विधानसभा चुनाव को लेकर हमेशा से ही ज्यादा दिलचस्पी रहती है, लेकिन इस बार दबी जुबान से ही सही, हर कोई इसकी चर्चा कर रहा है। कोई भी उम्मीदवार हमारे इलाके में नहीं आया है, लेकिन इस संघर्ष के शुरू होने के बाद लोग न केवल स्थानीय मीडिया, बल्कि राष्ट्रीय मीडिया और विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भी बहुत बारीकी से नज़र रख रहे हैं। इसलिए कई महीनों से मैं सुन रही हूं कि बिमोल और महेशवे क्या कह रहे हैं। अब मुझे कुछ अंदाज़ा हो गया है कि वे क्या दर्शाते हैं।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस प्रत्याशी बघेल का हुआ जोशिला स्वागत

राजनांदगांव। कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल आज रविवार के दिन राजनांदगांव नगर निगम क्षेत्र में सबेरे से लेकर रात तक जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने सामाजिक संगठन, नगर के प्रतिष्ठि लोगों, श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र के लोगों से रूबरू मिले। इस दौरान श्री बघेल का जोरदार स्वागत किया गया। पूर्व सीएम के साथ राजनांदगांव के बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता साथ थे। श्री बघेल पूर्व महापौर हेमा देशमुख के निवासी जाकर सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस के सभी पार्षदों से लंबी चर्चा की। श्री बघेल ने पार्षदों से शहरी क्षेत्र में कांग्रेस के घोषणा पत्र के बारे में विस्तार से चर्चा की। सभी वार्डों में घोषणा पत्र और महतारी योजना का फार्म भरवाने जोर दिया। वे प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अंजुम अल्वी के निवास स्थान गये। इस दौरान अंजुम अज्वी की पत्नी डा. रूबीना अल्वी ने उनका स्वागत किया। अंजुम अल्वी ने गुलदस्ता एवं शाल भेंटकर स्वागत किया, जहां बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे। श्री बघेल ने श्री अल्वी के कार्यों की प्रशंसा की। इसके पहले पूर्व सीएम युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार के निवास भी गये। मुदलियार परिवार की ओर श्री बघेल का स्वागत किया गया। श्री बघेल ने स्व. उदय मुदलियार के कार्यों को याद किया। श्री बघेल के पक्ष में जितेन्द्र मुदलियार की माता श्रीमती अल्का मुदलियार ने जनसंपर्क करने की इच्छा जाहिर की। इसी तरह स्टेशन रोड स्थित चर्च पहुंचकर इसाई समाज के प्रार्थना में शामिल हुए। चर्च के पास्टर ने श्री बघेल के लिए प्रार्थना की। श्री बघेल राजनांदगांव शहर में आज सबेरे से लेकर रात्रि तक नगर के अन्य वार्डों में भी मतदाताओं से जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान सभी वार्ड अच्छी भीड़ हो गयी थी। श्री बघेल के राजनांदगांव शहरी क्षेत्र में आज जनसंपर्क करने से कांग्रेसियों में उत्साह देखा गया। कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता उनके साथ थे। श्री बघेल सराफा व्यापारी अनिल बरड़िया, उद्योगपति दामोदर मुंदड़ा, पूर्व विधायक इमरान मेमन एवं समाज के अन्य अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों से भेंट मुलाकात की। वहीं श्री बघेल वरिष्ठ नेताओं से बैठक लेकर चर्चा की।

चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों से चर्चा की। श्री बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। कांग्रेस के घोषणा पत्र की सभी वर्ग प्रशंसा कर रहे है। 8 अप्रैल को श्री बघेल वनांचल क्षेत्र में सबेरे से लेकर रात अं. चौकी, मोहला-मानपुर में दौरा करेंगे।

कांग्रेस का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा : पांडे

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संतोष पांडे ने डोंगरगढ़ में विधानसभा क्षेत्र के दो दर्जन से भी अधिक ग्रामों का प्रवास करते हुए अनेक स्थानों आयोजित सभा में कहा कि कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में कोई दम नहीं है, यह झूठ का पुलिंदा मात्र हैं, इसमें किए वायदों से कोई वर्ग भी प्रभावित होने वाला नहीं हैं, क्योंकि इसके पहले भी कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिए घोषणा की थी और सत्ता में आने के बाद उनकी सारी घोषणाएं दूर की कौड़ी साबित हुई। किसानों से एमएसपी पर सारी फसलें खरीदने के कांग्रेसी घोषणा पर तीखा पलटवार करते हुए श्री पांडे ने कहा कि जिस स्वामीनाथन की रिपोर्ट को आधार बनाकर किसानों की सारी फसलों को एमएसपी पर खरीदने का वायदा आज कांग्रेस कर रही हैं, उस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट कांग्रेस के यूपीए शासन के दौरान आयी थी। आयोग के रिपोर्ट आने के दौरान कांग्रेस अनेक वर्षों तक केन्द्रीय सत्ता पर रही, तब उसने आयोग की रिपोर्ट को संज्ञान में नहीं लिया, ना ही उसकी सिफारिशें लागू की, तब कांग्रेस सरकार ने उस रिपोर्ट को रद्दी की टोकरी में फेंक रखा था। अब सत्ता गवाने के बाद उन्हें स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट व सिफारिशें याद आ रही हैं, उनके इस दोगलेपन को क्षेत्र व देश के किसान भली-भांति समझ रहें हैं। इससे कांग्रेस को रंचमात्र भी फायदा होने वाला नहीं हैं। भाजपा मीडिया सेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री पांडे ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 12 करोड़ से अधिक छोटे व मंझोले किसानों के खाते में 6 हजार रुपए किसान सम्माननिधि भेज रहें हैं। किसानों की प्रमुख फसलों को एमएसपी के आधार पर रिकार्ड खरीदी की जा रही हैं, कृषि उपकरणों में सब्सिडी को बढ़ाया गया है, इतना ही नहीं बल्कि उर्वरक के दाम ना बढ़े इसके लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। किसानों के लिए बिजली की समुचित व्यवस्था की गई हैं। बजट में कृषि को प्रधानता दी गई। किसान हित में किए गए इन कार्यों से तिलमिलाई कांग्रेस कपोल कल्पित घोषणाओं का सहारा लेकर चुनाव की वैतरणी पार करना चाहती हैं, पर देश के किसान सजग व समझदार हैं, कांग्रेस की झूठी घोषणाओं के झांसे मे आने वाले नहीं हैं। श्री पांडे ने कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र को तार.तार करते हुए कहा कि संसदीय क्षेत्र से वर्तमान कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने भी सत्ता में आने के लिए प्रदेश की जनता के साथ 36 वायदे किए थे, किन्तु 5 साल सरकार चलाने के बाद 36 वायदों मे से एक भी वायदा पूरा नहीं किया। गंगा जल उठाकर पूर्ण शराबबंदी की कसमें खाने वालों ने शराब की होम डीलवरी प्रारंभ कर दी थी। महिलाओं को पाँच सौ रुपए प्रति महीने देने का वायदा किया था, किन्तु उन्हे फूटी कौड़ी भी नहीं मिली। बेरोजगारी भत्ते के नाम पर युवाओं का मजाक बनाया गया। कर्ज माफी की घोषणा सिगूफा साबित हुई, महिला स्वसहायता समूहों की कर्ज माफी की घोषणा दिवास्वप्न साबित हुई, संपत्ति कर माफ करने की घोषणा भी थोथी साबित हुई, अनियमित दैनिक वेतनभोगी व संविदा मे कार्यरत लाखों कर्मचारियों की घोषणा पूरी नहीं कर सके। अब सत्ता से हटने के बाद उन्हें इन सारे वर्गों की फिर से याद सताने लगी हैं। पर लोगों ने कांग्रेस को देखा भी है और भोगा भी हैं और वर्तमान में श्री मोदी के कार्यों को भी देखा हैं। श्री मोदी जो कहते हैं वह करते हैं। श्री मोदी की गारंटी का मतलब गारंटी पूरी होने की गारंटी हैं, जिस पर देश के जनमानस का पूरा विश्वास हैं। श्री पांडे ने आज अपना जनसंपर्क अभियान ग्राम गातापार प्रारंभ किया, फिर वे ग्राम टेमरी, गाढ़ाघाट, चंगुर्दा, बैगाटोला, इटार, बरबसपुर, पाड़ादाह, पिपलाकछार, घुमका, सलौनी, मुड़पार, ऊपरवाह, कलडबरी, खैरझिटी, तिलई पहुंचे, अनेक स्थानों पर श्री पांडे का भावभीना स्वागत किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से रामजी भारती, विनोद खांडेकर, भागवत शरण सिंह, शशिकांत द्विवेदी, राजेश श्यामकर, बिसेसर साहू, राजीव चंद्राकारए, उत्तम दसारिया, नोमेश वर्मा, प्रतीक्षा भण्डारी, जागेश्व, साहू, किरण बारले, रामकुमार वर्मा, महेश यादव, मलिखम कोसरे, गोपी साहू, शशांक साहू, नरोत्तम सिन्हा, ज्ञानदास बंजारे, कमलेश सिंह भदौरिया, डा. बिसेसर साहू, टिलेश्वर साहू, शिवमयोगी, सन्नी यदु, राजीव चंद्राकार सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चंद घंटे में चोरी के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजनांदगांव। प्रार्थी सुरेन्द्र इंदुरकर पिता राधेलाल इंदुकर, उम्र-35 साल, सकिन भीमनगर वार्ड नंबर-9 डोंगरगढ़, थाना डोंगरगढ़, जिला राजनादगांव जो थाना चौक डोंगरगढ़ स्थित कक्कड़ बजाज शो रूम में मैनेजर के पद पर काम करता है। 6 अप्रैल 2024 को लगभग 3 बजे किस्त में मिले पैसे नगदी रकम 65700 रूपये को अपने एविएटर स्कूटी क्रमांक सीजी 08-एएन 2056 के डिक्की में रखकर शो-रूम से प्लेटिना वाहन का डेमो दिखाने के लिये बोरतलाब बाजार चला गया था, जहां से वापस आकर देखा तो स्कूटी की डिक्की खुली हुई थी तथा डिक्की में रखे नगदी रकम 65700 रूपये डिक्की में नहीं था। शो-रूम में काम करने वाले स्टाफ से पुछताछ किया कोई पता नहीं चलने पर घटना के संबंध में अपने सेठ को बताकर 7 अप्रैल को एक लिखित आवेदन पेश कर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने पर थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 190/2024 धारा-379 भादंवि पंजीबद्ध कर घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, अति. पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, एसडीओपी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देशन पर थाना प्रभारी डोंगरगढ़ सीआर चंद्रा द्वारा अपने टीम के साथ घटना स्थल रवाना होकर घटना स्थल निरीक्षण कर संदेही आरोपी अखिलेश टेम्भुरकर पिता स्व. जागोराव टेम्भुरकर, उम्र-30 साल, साकिन कालकापारा, भीमनगर डोंगरगढ़, थाना-डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव को हिरासत में लेकर पुछताछ किया, जो डिक्की से पैसा चोरी करना एवं चोरी किये पैसा को घर अंदर कमरा में गद्दे के अंदर छीपाकर रखना बताने पर आरोपी के द्वारा अपने घर कमरा के गद्दे अंदर से चोरी किये नगदी रकम 65,700 रूपये को निकालकर पेश करने पर जप्त कर आरोपी को को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

भाजपाई दुष्कृत्य सहित धर्म, संस्कृति, कर्म द्वारा आचार संहिता उल्लंघन पर कार्यवाही करे आयोग : कांग्रेस

राजनादगाव। लोकसभा चुनाव में भाजपा सत्ता के मद में लगातार आचार संहिता का खुला उल्लंघन कर चुनाव को दूषित करने के कार्य में लगी हुई है, जिसके चलते राजनांदगांव लोकसभा वाररूम प्रभारी जितेन्द्र मुदलियार एवं लोकसभा मीडिया प्रभारी रूपेश दुबे ने दस्तावेजी प्रमाण सहित लोकसभा प्रेक्षक शशि रंजन के समक्ष शिकायत प्रस्तुत करते हुए कार्यवाही की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं लोकसभा मीडिया प्रभारी रूपेश दुबे एवं लोकसभा वार रूम प्रभारी जितेन्द्र मुदलियार ने प्रेक्षक को अवगत कराते बताया कि भाजपा लगातार स्वस्थ लोकतंत्र में शांतिपूर्ण निर्वाचन को अपने दुष्कृत्य के माध्यम से दूषित करने का खेल खेल रही है। साथ ही साथ राजनांदगांव के भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे लगातार अपने चुनाव में भाषणों में सनातन धर्म एवं हिंदुत्व की बातें कर आपसी भाईचारा में शत्रुता फैलाने का कार्य निरंतर कर रहे हैं और तो और प्रदेश भाजपा आईटी सेल लगातार राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के व्यक्तित्व को विकृत करते हुए अनर्गल चित्रमय पोस्ट सोशल मीडिया में पोस्ट कर रहे हैं, जिससे सम्पूर्ण प्रदेश के कांग्रेसजनों एवं आम जनता की भावनाएं आहत हो रही है।

भाजपा आईटी सेल द्वारा पोस्ट में भूपेश बघेल के हाथ में कटीले हथियार पकड़ाकर एवं एक के द्वारा वोट दे रे जैसे अपशब्दों का प्रयोग करते हुए चित्र पोस्ट किए हैं, इसमें राम मंदिर के निमंत्रण ठुकराने का भी उल्लेख है, जो घोर आपत्तिजनक है। इसी प्रकार सांसद संतोष पांडे द्वारा अबागढ़ चौकी क्षेत्र मे सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए भूपेश बघेल को हिंदुत्व विरोधी एवं धर्म विरोधी बताते वक्तव्य दिए हैं, जिससे वनांचल क्षेत्र की जनता की भावनाएं आहत हुई है और तो और भाजपा अपने सत्ता के मद में इस हद तक चूर है कि चुनावी होल्डिंग फ्लेक्स में प्रकाशक मुद्रक और कितने प्रति प्रिंट कराई गई है, इसका कहीं कोई उल्लेख न कर सिर्फ सत्ता का दुरुपयोग कर रहे है, ऐसी गंभीर स्थिति को लेकर प्रेक्षक के समक्ष फोटो एवं दस्तावेजी प्रमाण सहित शिकायत कर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 125 एवं 127 (क) के तहत कार्यवाही करने की मांग की है। संपूर्ण दस्तावेजों को अवलोकन करने के पश्चात प्रेषक ने संज्ञान में लेकर विधिसम्मत कार्यवाही करने का की बात कही है।

भाजपा प्रत्याशी पांडे आज मानपुर व राजनांदगांव ग्रामीण क्षेत्र में

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संतोष पांडे का धुंआधार जनसंपर्क पूरे संसदीय क्षेत्र में जारी हैं। कल 8 अप्रैल, सोमवार को वे मानपुर व राजनांदगांव ग्रामीण क्षेत्रों के व्यापक दौरे पर रहेंगे, इस दौरान उनके द्वारा अनेक स्थानों पर सभाएं ली जाएगी हैं। भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार श्री पांडे मोहला-मानपुर जिले में अपने अभियान की शुरुवात सुदूर खड़गाँव से करेंगे, इसके बाद वे ग्राम बोरिया, दिघवाडी, वासड़ी, घोटिया, ढोंढरी, भावसा, भर्रीटोला, कलडबरी, नेड़गाँव, जबकसा, कंदाडी, सीतागांव तथा औंधी में जनसंपर्क करेंगे। इसके पश्चात वे दोपहर 4 बजे राजनांदगांव पहुंचकर होटल अमोरा (रेवाडीह) में जिला कृषि सामग्री विक्रेताओं के होली मिलन समारोह में भाग लेंगे। तत्पश्चात वे ग्रामीण क्षेत्र के सिंघोला, मुड़पार, सुरगी, मोखला व भर्रेगाँव में जनसंपर्क कर सभाओं को संबोधित करेंगे।

डोंगरगढ़ 7 अप्रैल (अमृत संदेश)। राजनांदगांव लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ क्षेत्रीय विधायक हर्षिता स्वामी बघेल व पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल ने विगत दिनों विधानसभा के ग्राम पंचायत तिलई से जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

शराब तस्कर को पुलिस ने रंगे हाथों शराब सहित पकड़ा

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा पुलिस अनु. अधिकारी डोंगरगांव दिलीप सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी डोंगरगांव निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व में थाना डोंगरगांव क्षेत्रों में जुआ, शराब, चोरी के गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखते हुये 7 अप्रैल 2024 को थाना डोंगरगांव पुलिस को प्राप्त मुखबीर से सूचना के आधार पर टीम गठित कर छुरिया तिराह मेन रोड, डोंगरगांव, थाना डोंगरगांव के पास घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया, जिसमें अपराध धारा-34 (2) आबकारी एक्ट के तहत आरोपी केशव गोंड पिता मलखन गोंड, उम्र-33 साल, पता-ग्राम कुमर्दा, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव के पास से सफेद रंग के प्लास्टिक की एक बोरी में 75 नग शोले देशी प्लेन शराब, प्रत्येक में 180 एमएल सीलबंद छग निर्मित, मात्रा 13500 एमएल कीमती 6750 रूपये एवं बिक्री रकम 220 रूपये कुल जुमला रकम 6970 रूपये को जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया जाकर गिरफ्तार किया जाकर अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया है।

साल्हेवारपारा में अवैध शराब एवं नशीले पदार्थ की बिक्री से लोग परेशान

धमतरी। गाड़ा समाज के पदाधिकारियों एवं साल्हेवारपारा वार्डवासियों ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपकर साल्हेवारपारा वार्ड एवं आसपास के वार्डों में हो रही अवैध शराब बिक्री बंद कराने एवं पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि साल्हेवारपारा वार्ड में पीछले कुछ वर्षों से लगातार शराब की अंधाधुंध ब्रिकी अवैध रूप से की जा रही है तथा मोहल्ले के अंदर में ही हमारे समाज के लोगों के द्वारा अवैध रूप से शराब की ब्रिकी की जा रही है। पुलिस को सूचना देने पर उन लोगों को गिरफ्तार करके ले जाया जाता है बाद में वे जमातन पर छूट जाते है और पुन: शराब की अवैध ब्रिकी में लग जाते हैं। मना करने तथा समाज के द्वारा भी बैठक रख कर समझाईश देने पर किसी की बात नहीं मानते है तथा पुलिस से बचने के लिए हम सभी के द्वारा सूचना न दे इसलिए वे अश्लील गाली-गलौच करते है और जान से मारने तथा झूठे प्रकरण में फंसा देने एवं हम युवाओं को छेड़छाड़ के झूठे आरोप में फसवा कर जेल भेजने की भी धमकी देते है।

ग्रामीण झिरिया साहू समाज द्वारा मतदान का लिया संकल्प

धमतरी। एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना धमतरी ग्रामीण सेक्टर धमतरी की कार्यक्रम अधिकारी जगरानी एक्का के निर्देश एवं पर्यवेक्षक उषा किरण चन्द्राकर के मार्गदर्शन में ग्रामीण झिरिया साहू समाज, मुजगहन द्वारा कर्मा जयंती के अवसर पर मतदाता जागरूकता रैली एवं महिलाओं द्वारा हाथों में मतदान की अपील करते हुए कार्यक्रम का सूत्रपात किया गया। ग्रामीण झिरिया साहू समाज द्वारा वृहद मात्रा में जिला धमतरी वोट सर्वोपरी, सशक्त लोकतंत्र में पहचान, सशक्त नारी शतप्रतिशत मतदान युवा होने की जिम्मेदारी, लोकतंत्र में भागीदारी जैसे संबंधी मतदाता जागरूकता का नारा लगाते हुए गांव का भ्रमण किया गया। मतदाता जागरूकता के प्रति लोगों में उत्साह देखा गया। इस अवसर पर पर्यवेक्षक उषा किरण चन्द्राकर ने साहू समाज द्वारा निकाली गयी मतदाता जागरूकता रैली का खुले मन से प्रशंसा की गई। उन्होंने ईवीएम, वीवी पैट के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी। साथ ही लोकतांत्रिक देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने मत का सहीं उपयोग करने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया।

प्रधानमंत्री के राष्ट्रहित कार्यों से प्रभावित होकर सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

धमतरी। महासमुंद लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती रुपकुमारी चौधरी को विजयश्री दिलाने के संकल्प के साथ कार्ययोजना को लेकर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने ग्राम सेमरा डी में बूथ क्रमांक 15 में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक ली। सेमरा डी में बूथ स्तर की बैठक के दौरान भाजपा की रीति नीति एवं प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रहित कार्यों से प्रभावित होकर सेमरा डी के स्थानीय युवा सामाजिक कार्यकर्ता डोमेश सोनबेर एवं ग्राम रीवागहन की सामाजिक महिला श्रीमती शीतल साहू ने बूथ समिति के सभी सदस्यों एवं ग्रामवासियो के समक्ष पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू के करकमलो द्वारा भाजपा गमछा पहनकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण किये। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य दमयंती केशव साहू, आमदी मंडल उपाध्यक्ष राकेश साहू, भाजयुमो कार्यकर्ता कोमल सार्वा, चंद्र कुमार साहू, सोहन साहू, साकेत साहू,

लोगों की सेवा के लिए किया गया हरगुण दास फाउण्डेशन का निर्माण

धमतरी। शहर के बख्तानी परिवार व्दारा हरगुण दास फाउण्डेशन संस्था का निर्माण किया गया है जिसका उद्घाटन 10 अप्रैल को चेट्रीचंड महोत्सव पर होगा। संस्था व्दारा स्वर्गरथ शव वाहन की व्यवस्था की जाएगी. इसके अलावा जरूरतमंदों को और भी कई तरह की नि:शुल्क सेवाएं प्रदान की जाएगी। संस्थापक कैलाश बख्तानी ने बताया कि लोगों को समर्पित भाव से नि:शुल्क सेवा देना इस संस्था का मुख्य उद्देश्य है। शव को श्मशान तक ले जाने स्वर्ग रथ शव वाहन की व्यवस्था की जाएगी। यह सेवा नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा किसी के घर में शोक की खबर लगने पर यह संस्था तत्काल भोजन व अन्य सामग्रियां उस परिवार को उपलब्ध करायेगी। उन्होंने बताया कि एक वाहन हर सप्ताह शहर के अलग-अलग चौराहों में तैनात रहकर गरीबों को बहुत ही मामूली मूल्य पर भोजन उपलब्ध करायेगी। कैलाश बख्तानी ने लोगों से अपील की है कि जो अपने परिवार के सदस्य या बुजुर्गों की स्मृति में संस्था को किसी भी तरह का सहयोग प्रदान करना चाहते है.

भाजपा ने विधानसभा स्तरीय किया व्यापारी प्रकोष्ठ व व्यवसायी प्रकोष्ठ सम्मेलन का आयोजन

डोंगरगढ़। भारतीय जनता पार्टी द्वारा शनिवार को नगर के मारवाड़ी धर्मशाला में आर्थिक प्रकोष्ठ व्यापारी प्रकोष्ठ व व्यवसायी प्रकोष्ठ विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बीस सूत्रीय क्रियान्वयन समिति पूर्व अध्यक्ष खूबचंद पारख पूर्व ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री ऐसे हैं, जिन्होंने हर वर्ग के विकास के बारे में काम किया। श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में एक परिवर्तन आया है। पहले व्यापारियों की कोई पूछ परख नहीं होती थी, लेकिन जैसे ही देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने, व्यापारियों का सम्मान किया गया और उनकी चिंता की गई, जो बोलते हैं वह करते हैं। देश की जनता को प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ-साथ किसानों को बोनस की राशि व महिलाओं को महतारी बंधन योजना के तहत लाभ देने का काम किया गया। यह चुनाव भाजपा और कांग्रेस का चुनाव नहीं, यह अयोध्या में हुए प्राण प्रतिष्ठा भगवान श्री राम के आस्था रखने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से लाकर देश को मजबूत करने का चुनाव है। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री रामजी भारती ने कहा कि सही मायने में देखा जाए तो व्यापारी ही एक ऐसा स्टार प्रचारक है, जो हर वर्ग के व्यक्ति से जुड़ा हुआ रहता है। आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार हर वर्ग के लिए योजनाएं चलाकर उन्हे आगे बढ़ने का कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 वर्षों में किए गए कार्य व उनसे मिलने वाले लाभ के बारे में जनता को जागरूक करना है। आज इस मंच के माध्यम से सभी को संकल्प लेना है कि इस बार केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार छत्तीसगढ़ की पूरी 11 में से 11 सीटे जीताकर अबकी बार 400 पार करके सरकार बनानी है। कार्यक्रम में व्यापारी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक लाभचंद बाफना, चेंबर महामंत्री अजय भसीन राजा, मखीजा कोमल सिंह राजपूत, विनोद खांडेकर, शशिकांत द्विवेदी ने भी संबोधित कर प्रधानमंत्री की योजनाओं का बखान किया। इस दौरान सभी अतिथियों ने उपस्थित सभी व्यापारियों का भाजपा गमछा पहनकर सम्मान भी किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बन्नोआना, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील चीकू जैन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, प्रकाश चौरडिया, डा. पन्नालाल बाफना, शहर मंडल अध्यक्ष अमित जैन, ग्रामीण अध्यक्ष जैन कुमार मेश्राम, महामंत्री राकेश अग्रवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष सविता दरगढ़, लक्ष्मी यादव, अनिता इंदूरकर, सुषमा कोठारी, वात्सला श्रीवास्तव, नम्रता चौबे, सरफराज नवाज, विनीत यादव, द्वारका प्रसाद शर्मा, एसपी मिश्रा, लोकेश इंदुरकर, वीरेंद्र अग्रवाल, अनिल सिन्हा, मनीष सोनी, वीरेंद्र सोनी, हरजीत सिंह अरोड़ा, अनिल अग्रवाल, मनजीत सिंह, मनजीत सिंह बग्गा, चेतन अग्रवाल, कैलाश सोनवानी, जयंत साहू, चेतन अग्रवाल, जनरल सिंह अरोरा, सुमित यादव, दिलीप बिंदल, प्रणय अग्रवाल, सुरेश शर्मा, मनजीत सिंह रिंपी, करनैल सिंह भाटिया, अशोक साहू, अजय गुप्ता सहित अन्य व्यापारी बंधु उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण अग्रवाल द्वारा किया गया।

चेट्री चंड्र पर आज सिंध महिला संगठन की निकलेगी स्कूटर रैली

धमतरी। चेट्री चंड्र के पावन पर्व पर अपने इष्ट देवता वरुण अवतार सांई झूलेलाल की जयंती को सिंधी समाज द्वारा धूमधाम से मनाया जा रहा है 10 तारीख को चेट्री चंड्र झूलेलाल की जयंती के रूप में मनाया जाएगा। इसी अंतर्गत आज सिंध शक्ति महिला संगठन द्वारा स्कूटर महिला रैली का आयोजन किया गया है। इस रैली में वे लोग भी शामिल होंगे जो लोग बुजुर्ग हो चुके हैं और चलने फिरने में असमर्थ हैं ऐसे लोगों के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था की गई है। भगवान झूलेलाल की याद में धूमधाम से नाचते गाते स्कूटर रैली में प्रस्थान करेंगे स्कूटर रैली सर्वप्रथम झूलेलाल मंदिर में पूजा आराधना की जायेगी इसके पश्चात बिलाई माता मंदिर में महाआरती करने के पश्चात वहां से रैली 4 बजे प्रस्थान करेगी यह रैली विंध्यवासिनी माता मंदिर से होते हुए गणेश चौक, सदर बाजार, कचहरी चौक, चमेली चौक से होते हुए गोल बाजार के पश्चात घड़ी चौक में रुकेगी वहां पर आतिशबाजी होगी और वहां पर अपने इष्ट देवता झूलेलाल सांई की जयंती पर भव्य महा आरती की जाएगी उसके पश्चात वहां पर प्रसादी वितरण किया जाएगा। रोमी सावलानी के द्वारा सिंध शक्ति महिला संगठन का सम्मान किया जाएगा और उसके पश्चात लोग सिंधी धर्मशाला की ओर प्रस्थान करेंगे वहां पर लकी ड्रा निकाला जाएगा। इस अवसर पर सिंध शक्ति महिला संगठन की अध्यक्ष सुश्री पार्वती वाधवानी ने बताया है कि यह रैली की शुरुआत हमने 8 वर्ष पूर्व की है और लगातार इसमें महिलाओं की संख्या बढ़ती चली जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों ने अपने पूर्वजों को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। रायपुर राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र रघुवंशी के आव्हान पर संपूर्ण भारतवर्ष में हर माह के प्रथम रविवार को 10बजे 10 मिनिट अपने पूर्वजों को समर्पित श्रद्धांजलि एवम् उनका स्मरण का आयोजन बहुत ही सम्मानित छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वतंत्रता सेनानी संघ के अध्यक्ष रहे परम आदरणीय श्री राम आधार तिवारी जी को समर्पित रहा कार्यक्रम में शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर राष्ट्रगान का गायन किया गया। यह कार्यक्रम श्री बाबूलाल जी तिवारी के निवास पर आयोजित किया गया कार्यक्रम पी एन तिवारी , प्रदेश अध्यक्ष मुरली मनोहर खंडेलवाल ,अशोक कुमार रायचा, शैलेन्द्र राठौर, राजेन्द्र कुमार चतुर्वेदी, मुकेश बावरिया ,सी के पांडे ,मंगल सिंग , बाबूलाल तिवारी ,रमा जोशी, तिवारी परिवार के सभी सदस्यों की उपस्तिथि में संपन्न हुआ।

वर्ल्ड हेल्थ डे के अवसर पर मेडिकल स्टूडेंट्स ने किया मैराथन और जुम्बा का आयोजन

रायपुर। वर्ल्ड हेल्थ डे के अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र संघ ने मैराथन, जुंबा और रक्त दान शिविर आयोजित किया। मैराथन का आयोजन मरीन ड्राइव तेलीबंधा तक किया गया था। मैराथन के बाद जुंबा भी आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम लोगों में मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार के विषय में जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित किया गया था। इस उपलक्ष्य पर रेडियोलॉजी के प्रोफ़ेसर डॉ. विवेक पात्रे एवं छात्र संघ के चेयरपर्सन और पैथोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद नेरल मौजूद थे जिसमे उन्होंने लोगों को अपने स्वास्थ्य को गंभीर और आधिकारिक रूप से महत्व देने के लिए प्रेरित किया और हर घड़ी हर पहर, हम आपके डॉक्टर्स आपके साथ हैं के नारे लगवाए। मैराथन और रक्त दान शिविर के मुख्य आयोजक डॉ. गगन मोहन छाबड़ा, डॉ. आकाश पटेल, छात्र संघ की संयुक्त सचिव साक्षी कन्नौजे, उपाध्यक्ष संस्कार गुप्ता, शिवांगी सिंह और अंबलेश्वर मरकाम थे। मैराथन के विजेता दीपराज वर्मा बने।

पूर्व छात्र संघ मुंबई में छात्रावास बनाएं- राज्यपाल रमेश बैस

रायपुर। यह गर्व की बात है कि शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर (छत्तीसगढ़) (जीईसी - एनआईटी) के कई पूर्व छात्र मुंबई में विभिन्न सरकारी और अर्ध-सरकारी संगठनों और उद्योग में योगदान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ से मुंबई में उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण या रोजगार के लिए आने वाले छात्र छात्राओं के लिए पूर्व छात्र छात्रावास बनाने का विचार करे ऐसा आह्वान महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस ने किया। रायपुर शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज पूर्व छात्र संघ की मुंबई शाखा की ओर से सदस्यों का सम्मेलन रविवार (7 तारीख) को राज्यपाल रमेश बैस की अध्यक्षता में चेंबूर मुंबई संपन्न हुआ, उस समय वे बोल रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि मुंबई वासियों से कार्य संस्कृति और व्यावसायिकता सीखी जा सकती है। साथ ही मुंबई में राजस्थान के लोगों से अपने राज्य के लोगों के छात्रो को मदद करने की प्रवृत्ति भी सीखी जा सकती है। राजस्थान के लोगों ने अपने राज्य से मुंबई आ रहे छात्रों के लिए छात्रावास बनाए हैं और युवाओं को सीए, सीएस बनने में मदद की जाती है। इसी तरह राज्यपाल ने कहा कि मुंबई निवासी छत्तीसगढ़ के सफल लोगों को अपने राज्य के युवाओं के लिए मुंबई में छात्रावास बनाने के बारे में सोचना चाहिए।

देश में रायपुर शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के पचास हजार और मुंबई में 650 पूर्व छात्र सफल उद्यमी, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और वैज्ञानिक के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। राज्यपाल ने इन पूर्व छात्रों से वर्तमान छात्रों को ऑनलाइन मार्गदर्शन देने और उनके लिए व्यावसायिक प्रशिक्षुता के अवसर पैदा करने की अपील की। हार्वर्ड विश्वविद्यालय तथा आईआईटी मुंबई के पूर्व छात्र संस्थान को भारी दान देते हैं और अपने मूल संस्थानों के विकास में योगदान देते हैं। इसी तरह मुंबई में छत्तीसगढ़ के सफल लोगों को अपनी मातृ संस्था और समग्र समाज के लिए सप्ताह में कुछ घंटे देने की अपील राज्यपाल बैस ने की । कार्यक्रम में रायपुर शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष और हिंदुस्तान कॉपर के पूर्व प्रबंध निदेशक कैलास धर दीवान, मुंबई शाखा के अध्यक्ष अनिल बंछोर और पूर्व छात्र संघ के सदस्य और उनके परिवार उपस्थित थे।

लोकसभा का यह चुनाव सरकार बनाने का नहीं, इतिहास बनाने का है-शिवप्रकाश

कांग्रेस ने केवल गरीबी हटाओ का नारा दिया, मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगो की गरीबी से बाहर निकाला

बाबा साहब को अपमानित करने वाली उन्हे भारत रत्न न देने वाली कांग्रेस अब उनके द्वारा बनाए सविधान को बचाने की बात करती है

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिवप्रकाश ने कहा है कि कांग्रेस ने गरीबी हटाने का नारा दिया पर 25 करोड़ लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल में गरीबी रेखा के बाहर आए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजनाएँ बनाई हैं। श्री शिवप्रकाश ने कहा कि 10 वर्षों में देश बहुत बदल गया है। एयरपोर्ट, रेलवे, सड़कें सबमें कमाल काम हुआ है। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुआ है। श्री शिव प्रकाश रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रादेशिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान 500 अधिवक्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ली।

शिवप्रकाश ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जारी घोषणा पत्र को कांग्रेस ने न्याय पत्र नाम दिया है। वस्तुत- यह कांग्रेस का अन्याय पत्र है। कांग्रेस आज संविधान की बात कर रही है। जिस कांग्रेस ने बाबासाहब भीमराव अंबेडकर का विरोध किया, उन्हें संसद में जाने से रोका, उन्हें जीतने नहीं दिया, उन्हें भारत रत्न नहीं दिया, वह कांग्रेस आज संविधान बचाने की बात कर रही है। वह संविधान के खतरे में आने की बात कर रही है। दरअसल कांग्रेस और उसका भ्रष्टचार खतरे में है, संविधान नहींद्य श्री शिवप्रकाश ने कहा कि प्रभु श्रीराम के एक-एक कदम आगे बढने् से जैसे रावण चिंतित होता था, कृष्ण के जीवित रहने की खबर सुनकर जैसे कंस रोज चिंतित होता था, वैसे ही भ्रष्टाचारी आज मोदी जी को देखकर डरते हैं कि न जाने कब उनका भ्रष्टचार पकड़ा जाए, न जाने कब उन्हें जेल की हवा खानी पड़े। यह चुनाव सरकार बनाने का नहीं, इतिहास बनाने का है।

उन्होंने कहा कि सन 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने से पहले बार-बार यही सुनने को मिलता था कि अनजान चीज को हाथ न लगाएँ, बम हो सकता है। हर शहर के अंदर आतंकियों के अड्डे बने थे। लेकिन अब ऐसी घटनाओं पर पूर्ण विराम लग गया है। किसी की बारुदी धमाके करने की हिम्मत नहीं। अब देश आंतरिक सुरक्षा से पूरी तरह मजबूत है। भारत पर हमला करने वाला व्यक्ति अब कहीं भी रहे, सुरक्षित नहीं रह सकता। यह क्रांतिकारी परिवर्तन हमने करके दिखाया है। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी कहा है कि हम गुलामी के हर चिह्न को मिटा देंगे। मंदिर, योग, आयुर्वेद, भाषा, सभी क्षेत्रों में काम हुआ है। ये 10 वर्ष गरीब कल्याण और विकास के साथ भारत का स्वाभिमान जगाने वाले रहे हैं। आज विश्व के सभी देश भारत की ओर आशा और विश्वास भरी निगाहों से देख रहे हैं, यही क्रांतिकारी परिवर्तन आया है।

अधिवक्ता गण ने हमेशा से जनमत बनाने का काम किया है-साव- छत्तीसगढ़ के उप मुखयमंत्री अरुण साव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे देश में एक ही नारा चल रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार। अब कांग्रेस को शून्य पर आउट करना है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 9 सीटें जीती थीं। इस बार हम पूरी 11 लोकसभा सीटे जीतें, इसके लिए विधि प्रकोष्ठ की पूरी ताकत लगनी चाहिए। बुद्धिजीवी वर्ग के बीच जाकर अधिकवक्तागण प्रधानमंत्री श्री मोदी की उपलब्धियों की चर्चा करें।

संगठन महामंत्री साय व सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ताओं ने भी किया मार्गदर्शन- भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने उपस्थित विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से जिलावार जानकारी ली और लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रणनीतिगत बिंदुओं पर मार्गदर्शन किया। इस दौरान दिल्ली सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश सिंह और अनिल सोनी रायपुर आए थे जिन्होंने निर्वाचन से जुड़ी हुई बारीकियों से अधिवक्ताओं को अवगत कराया और उनका मार्गदर्शन किया।श्री सिंह और श्री सोनी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से सम्मेलन में आए अधिवक्ताओं को निर्वाचन और विधिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी।

भाजपा प्रवेश का सिलसिला जारी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों व भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता लेने का सिलसिला चल रहा है। रविवार को विधि प्रकोष्ठ के प्रादेशिक सम्मेलन में प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री व रायपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में प्रदेशभर के 500 अधिवक्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

एचएनएलय के प्रो बोनो क्लब ने महिला बंदियों के लिए जागरुकता शिविर का आयोजन किया

रायपुर। कानूनी अधिकारों के माध्यम से महिला बंदियों को सशक्त करने और उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी प्रदान करने के उ?द्देश्य से, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एचएनएलयू) के प्रो बोनो क्लब ने एक

महत्वपूर्ण जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस आयोजन का आयोजन रायपुर केंद्रीय जेल में 6 अप्रैल 2024 को किया गया था। इस जागरुकता शिविर का आयोजन प्रो बोनों के संयोजक डॉ प्रवेश कुमार राजपूत और कानूनी सहायता और सामाजिक सेवा समिति की संयोजक डॉ कौमुदी छल्ला के सहयोग से किया गया। इस जागरुकता शिविर में पो बोनी क्लब के आठ छात्री ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में चर्चा की और महिला बंदियों को उनके मालवीय अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान की।

इस शिविर में विद्यार्थी दल का नेतृत्व करते हुए सुश्री सारा सैमुएल ने कैदियों के अधिकारों और मूल सुविधाओं की महत्वता को सम्बोधित किया। इस शिविर में लगभग 50 महिला कैदियों, सिद्धदोष अपराधी और अदालती जांच के अधीन जेल में रहने वाली महिलाओं के साथ चर्चा की गई और उनके अधिकारों और न्याय की महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रदान की गयी। इस जागरुकता शिविर में कचार पुस्तिकाओं को वितरित किया गया ताकि महिला बंदियों को महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी दी जा सके। इस शिविर को जेल के अधिकारियों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ, विशेष रूप से सुश्री खुशबू मिश्रा (जेल अधीक्षक), श्री प्रवीण मिश्रा (सचिव डीएलएसए, रायपुर) और दो डीएलएसए कानूनी सहायकों ने इस शिविर के दौरान ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

केंद्रीय विद्यालयों में एडमिशन हुआ मुश्किल, अब हर क्लास में 32 सीटों पर होगा प्रवेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर केंद्रीय विद्यालय में अपने बच्चों का दाखिला कराने की हसरत संजोए अभिभावकों के लिए चुनौती बढ़ गई है। नए सत्र से रायपुर के तीन विद्यालयों में 104 सीटें घट गई हैं। अभी तक एक सेक्शन में 40 छात्रों को प्रवेश दिया जाता था, लेकिन अब सिर्फ 32 सीटों पर ही प्रवेश लिया जाएगा। वहीं सिंगल गर्ल चाइल्ड कोटा को समाप्त कर दिया गया है। इन बदलावों के पीछे नई शिक्षा नीति को बताया जा रहा है।

केंद्रीय विद्यालयों में कक्षा एक में प्रवेश के लिए एक अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थी 15 अप्रैल शाम पांच बजे तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। दूसरी से लेकर 10वीं कक्षा में प्रवेश के लिए भी आवेदन शुरू हो गए है, लेकिन ये आवेदन आफलाइन भरे जा सकेंगे। छात्रों को संबंधित स्कूल में जाकर सीट की जानकारी लेनी होगी। प्रदेश में 37 केंद्रीय विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों में बड़ी संख्या में छात्रों को प्रवेश मिलता था। सीटों में कटौती के बाद सैकड़ों छात्रों का सपना टूट जाएगा।

केंद्रीय विद्यालयों में कक्षा दो से लेकर 10वीं तक प्रवेश लिए आवेदन प्रक्रिया 10 अप्रैल तक चलेगी। इन कक्षाओं के लिए आफलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। इच्छुक अभिभावक अपने निकटतम केंद्रीय विद्यालय में जाकर दाखिल के लिए फार्म प्राप्त कर सकते हैं। इस फार्म को अच्छी तरह से भरकर तथा मांगे गए दस्तावेजों को संलग्न करते हुए विद्यालय में 10 अप्रैल की शाम 4 बजे तक जमा कराना होगा। सीटें रिक्त होने पर प्रवेश दिया जाएगा।

शहर में संचालित तीन केंद्रीय विद्यालयों में 104 सीटों की कटौती हुई है। डब्लयूआरएस कालोनी में संचालित केंद्रीय विद्यालय दो पालियों में संचालित होता है, अभी तक यहां पर 160 सीटों में छात्रों को प्रवेश दिया जाता था, दोनों पालियों को मिलाकर 320 छात्रों को प्रवेश मिलता था। नए नियम के मुताबिक अब सिर्फ 256 छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। यहां पर 64 सीटें घटी है। इसी तरह डीडी नगर केंद्रीय विद्यालय में 160 की जगह 128 सीटों पर ही प्रवेश मिलेगा, यहां पर भी 32 सीटें घटी है।

नगर निगम के पास कचरा डंपिंग के लिए जमीन नही तो गंदगी के अंबार से तेतरकुटी को लोगों का कर डाला हाल बदहाल

जगदलपुर। शहर के ततेरखुटी इलाके महाराणा प्रताप वार्ड में बने कचरा डंपिंग यार्ड के पास ही में बना बड़ा गड्ढा है वहां पर क्रेशर खदान कोई समय में संचालित हुआ करती थी अब वहां गड्ढे में पानी भरा रहता है जिसे वार्ड वासी पीने का पानी में भी उपयोग करते हैं और घर के रोजमरा काम आने वाले पानी भी वहीं से उपयोग करते हैं लोग मजबूर है गंदा पानी पीने को आप कैमरे के माध्यम से देख सकते हैं कि यहां से मोटर लगा रखी है जो पाइप के द्वारा लोगों के घरों में पानी सप्लाई होता है क्योंकि पानी की समस्या जगदलपुर में गर्मी के समय बनी रहती है ज।

गदलपुर नगर पालिक निगम के 48 वाड़ों में लगभग 2 लाख आबाद रहती है. ऐसे में शहर से प्रतिदिन 30 से 40 टन सूखा और गीला कचरा कार्य के बाद जमा किया जाता है लेकिन इतनी बड़ी मात्रा में निकलने वाले कचरे की डंपिंग को लेकर कोई व्यवस्था नहीं है. मामले को लेकर नगर निगम का भी ढूल-मूल रवैया नज़र आ रहा है. इस कारण शहर से निकलने वाला कचरा गाड़ियों की मदद से इकठ्ठा करके खुले में फेंका जा रहा है और आज तो स्थिति हाथापाई की आ गई तेतरकुट्टी कचरा सेंटर के सामने में कचरे से पटी हुई नज़र आ रही है. इससे आसपास का इलाका प्रदूषित हो रहा है. वहां पर रहने वाले लोग बदबू से बहुत परेशान हैं.जब वार्ड वासियों ने विरोध करना चाहा तो वार्ड वासियों और नगर पालिका निगम जगदलपुर के कर्मचारी उनसे हाथापाई पर उतर आए उन पर ट्रक चढ़ाने की कोशिश की अब वार्ड वासियों का कहना है कि हम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाएंगे और कार्रवाई की मांग करेंगे।

32.500 किलो अवैध गांजा के साथ 5 आरोपित गिरफ्तार

जगदलपुर। बोधघाट पुलिस को मुखबिर से सूचना मिला कि एक सिल्वर रंग की एसयूव्ही कार क्रमांक डीएल -10 सीटी - 1411 वाहन मलकानगिरी से मादक पदार्थ गांजा लेकर जगदलपुर की तरफ आ रहे हैं, सूचना पर थाना प्रभारी बोधघाट के नेतृत्व में पुलिस की टीम के द्वारा सूचना के आधार पर सरगिपाल रोड रेलवे साइड के पास घेराबंदी कर पांच आरोपियो अब्दुल्ला कुरैशी पिता इरफान कुरैशी, विशाल सिंह पिता राजू सिंह, वंश शर्मा पिता स्व. आदेश शर्मा, सौरभ कुमार पिता विजेंद्र कुमार तथा संजू कश्यप पिता सेवाराम कश्यप को गिराफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा 32.500 किलो जप्त कर आरोपियो के विरूद्ध थाना बोधघाट जगदलपुर में धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर सभी 5 आरोपियो को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

कांग्रेस का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा, प्रदेश की सत्ता हासिल करने के लिए किए 36 वादों में एक भी पूरा नहीं किया : महेश कश्यप

देश में कांग्रेस की विश्वनीयता पूरी तरह खत्म,झूठे वादों के जरिए पाना चाहते हैं सत्ता

जगदलपुर। बस्तर विधानसभा के मधोता बालेंगा, टिकनपाल, मिचनार, बोदरा सहित अन्य क्षेत्रों में महेश कश्यप का सघन जनसंपर्क लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी लगातार विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर भाजपा के लिए मतदान की अपील कर रहे हैं । इसी परिपेक्ष्य आज भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप बस्तर विधानसभा के मधोता बालेंगा, टिकनपाल, मिचनार, बोदरा सहित अन्य क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क किया । इस दौरान बालेंगा में उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान भगवा गमछा व श्री फल प्रदान कर किया चुनावी सभा को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप ने कहा कि 3 माह पहले बस्तर और प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को उखाड़ फेंका और फिर एक बार भाजपा के हाथों प्रदेश की बागडोर सौंपी।

मनीराम कश्यप ने ग्रामीणों से आह्वान करते हुए कहा कि आगामी 19 अप्रैल को बस्तर विधानसभा के सभी मतदाता अनिवार्य रूप से भाजपा के पक्ष में।मतदान कर एक बार फिर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही प्रदेश के 18 लाख आवासहीनों का प्रधानमंत्री आवास देने का कार्य किया है ,यह मोदी की ही गारंटी है कि प्रदेश की महिलाओं के खाते में महतारी वंदन का पैसा आ रहा है। मतदान भाजपा को वोट देना है और देश मे भाजपा की सरकार बनाना है। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ वासियो के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति दी है। महतारी वन्दन योजना के तहत 2 माह की राशि खाते में हस्तांतरित की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा में आदिवासी महिला को देश की पहली महिला राष्टपति बनाया। प्रत्याशी महेश कश्यप ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा है,कांग्रेस प्रत्येक चुनाव में ऐसे ही झूठे सपने बेचती है ,प्रदेश में सरकार बनाने के लिए कांग्रेस ने 36 वादे किए थे ,जिसमें से उन्होंने एक भी पूरा नहीं किया।इसलिए प्रदेश की जनता ने उन्हें उखाड़ फेंका ।देश और प्रदेश की जनता कांग्रेस के जुमलों से भलीभांति परिचित है । महेश कश्यप ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं की देश में विश्वनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है इसलिए वह घोषणा पत्र में ऐसे वादे कर रहे हैं, जो संभव ही नहीं हैं । कश्यप ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है इसलिए जनता के बीच इनके चुनावी जुमलों की चर्चा तक नहीं हो रही है। महेश कश्यप ने कहा कि जनता ने कांग्रेस को पर्याप्त अवसर दिया ,पर कांग्रेस ने तरह तरह के घोटालों से जनता का जमकर शोषण किया , देश और प्रदेश की जनता के सामने कांग्रेस की सच्चाई आ चुकी है और वह कांग्रेस के किसी भी छलावे में नहीं फंसने वाली। महेश कश्यप ने बस्तर विधानसभा की जनता से अपने लिए आशिर्वाद मांगते हुए कहा कि 19 अप्रैल को अधिक से अधिक संख्या में बीजेपी के पक्ष में मतदान कर भारी बहुमत से भाजपा को विजय श्री दिलवाएं। इस दौरान आनंद मोहन मिश्रा,चुन्नू लाल ठाकुर,छवि श्याम यादव,नरपत कश्यप, बसन्त गावड़े,मोहन मौर्य ,अनिल सहारे,सुशील खम्बारी सहित अन्य मौजूद थे।

भाजपा : वैचारिक विश्व में एक चमकता नक्षत्र

प्रवीण गुगनानी

विमर्श या नैरेटिव के नाम पर भारत में एक अघोषित युद्ध चला हुआ है। इन दिनों भारत में चल रहा यह विमर्श शुद्ध राजनैतिक है। राजनीति और कुछ नहीं समाज का एक संक्षिप्त प्रतिबिंब ही है। विमर्श में यह प्रतिबिंब विषय व समयानुसार कुछ छोटा या बड़ा होता रह सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार परिवार के राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को यदि हम सामाजिक प्रतिबिंब के रूप में देखें तो हमें वैचारिक प्रतिबंधों, वर्जनाओं और सीमाओं से मुक्ति मिल जाती है। वैचारिक दृष्टि से देखें तो भाजपा एकमात्र ऐसा भारतीय राजनैतिक दल है जो विदेशी वैचारिक दासता से मुक्त है। भाजपा का विचार वही है जो भारत का चिरंतन विचार रहा है। भाजपा अपने चिर परिचित हिन्दुवशील आग्रहों पर अंगद, अटल है। नवीन व पुरातन का अभिनव संगम हो गई है भाजपा। वस्तुतः आरएसएस ने भाजपा के माध्यम से राजनीति एक विशाल, विराट व मुक्त वैचारिक कैनवास हमें दिया है। हम भारत के राजनैतिक, अराजनैतिक और यहां तक की हम भाजपा के लोग भी भाजपाई राजनीति को सही शब्दों में संपूर्णतः व्यक्त नहीं कर पाते हैं। यह अव्यक्तिकरण इसलिए नहीं है कि भाजपाई नेतृत्व के पास या भाजपा के आलोचकों के पास शब्दों या समझ का अभाव है। यह अव्यक्तिकरण इसलिए है कि भाजपा का सर्वसमावेशन, सर्वस्पर्शन और सर्वव्याप्तिकरण का लक्ष्य समाज में तीव्रता से आ रहे परिवर्तनों के साथ साथ त्वरा भाव से उर्वर, अद्यतन होकर अपडेशन के साथ सदैव व स्वमेव ही हमारे समक्ष प्रस्तुत हो जाता है। तेजी से बदलते समाज में एक तीव्र और तेज वैचारिक अपडेशन को अपनाना यही भाजपा का देश भर में सत्तासीन होने का अंतर्तत्व है। यह तो निर्विवाद रूप से सभी मानते हैं कि पिछले तीन दशकों में विशेषतः पिछले दशक का भारत सौ वर्षों के परिवर्तनों को समेटे हुए है। भाजपा का वैचारिक तंत्र इस तीव्र, तेज, तीक्ष्ण सामाजिक परिवर्तन को सौम्यता से प्रकट करने का सबसे बड़ा भारतीय संस्थागत ढांचा बन गया है। यहां सौम्य शब्द का प्रयोग इसलिए है क्योंकि इस तेज युग के तीव्र सामाजिक परिवर्तनों के समय में सौम्य बने रहना तनिक कठिन और कष्टप्रद होता है किंतु भाजपा की सौम्यता है की जाती ही नहीं। भाजपा को यह सौम्यता संघ से मिलती है। संघ से इस सौम्यता को ग्रहण कर लेने की मशीन है पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद का सिद्धांत। एकात्म मानववाद का सिद्धांत भाजपा की रीढ़ है। भाजपा अपनी रीढ़ की रक्षा करना और रीढ़ पर टिके रहना दोनों भलीभांति सीख गई है। यही भाजपा नामक वटवृक्ष का फोटो सिंथेसिस प्रोसेस अर्थात प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया है। मोटी दृष्टि से देखें तो भारत में राजनीति की चार धाराएं हैं। भाजपा, कांग्रेस, वामपंथ और समाजवाद। भाजपा स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार से उपजी एक राजनैतिक धारा है। इसने अपने कोई डमी या छद्म रूप उत्पन्न नहीं किए। शेष तीन राजनैतिक विचार अपने डमी उत्पन्न करके छल करते रहते हैं। जैसे कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस या राष्ट्रवादी कांग्रेस। कांग्रेस, वामपंथ व समाजवाद ने सकारात्मक विमर्श तो कम उपजाए किंतु नकारात्मक विमर्शों में ये लोग मास्टर ऑफ द मास्टर्स हो गए हैं। भाजपा के बड़े स्तर पर सत्तासीन हो जाने से लोग बहुधा एक बात कहते हैं; अरे, अब यह पार्टी विद डिफ़रेंस नहीं रही। विरोधी दल स्वानंद के लिए यह कह लें किंतु भाजपा आज भी पार्टी विद डिफ़रेंस ही है!! भाजपा में अनेक दलों से करोड़ो कार्यकर्ता आकर सम्मिलित हुए हैं, लाखों पदाधिकारी आए, हजारो सांसद विधायक आये; किंतु क्या भाजपा ने क्या मंदिर को छोड़ा? कश्मीर को छोड़ा? सामान नागरिक संहिता को छोड़ा? तुष्टिकरण के विरुद्ध अभियान को छोड़ा? हिंदुत्व के आग्रह को छोड़ा? आप पिछले एक दो दशक में सभी भारतीय दलों दलों द्वारा विकसित किये गए विमर्शों को जांचे तो पता चलेगा की वैचारिक दृष्टि से शेष दल सुविधाभोगी हो गए हैं किंतु भाजपा ने अपना वैचारिक आग्रह नहीं छोड़ा। भाजपा ने दूसरे दलों से कार्यकर्ता, पदाधिकारी, विधायक, सांसद अपने दल में लिए अवश्य किंतु आने वाले व्यक्ति और उनके विचार बदले हैं भाजपा का वैचारिक आग्रह नहीं बदला है।

कैराना लोसः वोटरों ने हरपाल को छोड़ कभी किसी को दोबारा सांसद नहीं चुना

अजय कुमार

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। कभी बीजेपी के दिग्गज नेता रहे स्वर्गीय हुकुम सिंह की कर्मभूमि और पलायन के मुद्दे से देशभर में चर्चाओं में आई कैराना लोकसभा सीट पर इस बार भी सबकी नजर हुई है। कैराना लोकसभा सीट का महाभारत काल से पौराणिक जुड़ाव भी है. यहां के लोग मानते आ रहे हैं कि महाभारत काल में अंगराज कर्ण ने इसे कर्णनगरी के रूप में बसाया था। आजादी की लड़ाई में कैराना देशभक्तों की शरणस्थली रहा था। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाले मराठों को छुपने के लिए कैराना ने जगह दी थी। कैराना वह इलाका है जहां उस्ताद अब्दुल करीम खां के जरिए संगीत के किराना घराने की शुरुआत हुई थी। वह घराना जिसने देश में खयाल गायकी को एक नया रंग दिया था। भीमसेन जोशी इसी घराने के शार्गिद थे, जिन्होंने %मिले सुर मेरा तुम्हारा तो सुर बने हमारा% को आवाज दी थी। 2019 के आम चुनाव में यहां से बीजेपी जीती थी। इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा हैं। हसन परिवार की बेटी इकरा हसन के सामने इस बार जहां विरासत को बचाना चुनौतीपूर्ण है। वहीं सांसद प्रदीप चौधरी को जनता दल के लगातार दो बार सांसद रहे हरपाल सिंह के रिकॉर्ड की बराबरी कर भाजपा को जीत दिलाना आसान नहीं होगा। वहीं पहली बार चुनाव लड़ रहे बसपा के प्रत्याशी श्रीपाल राणा के सामने साख बचाना चुनौती रहेगी।

बीते चुनावों पर नजर डालें तो वर्ष 1967 के लोकसभा चुनाव में गयूर अली खान और 1971 में कांग्रेस के टिकट पर शफाकत अली चुनाव जीते थे। 1980 के चुनाव में चौधरी चरण सिंह की पत्नी गायत्री देवी जनता पार्टी (एस) के टिकट पर सांसद चुनी गईं। 1984 में कांग्रेस के चौधरी अख्तर हसन जीते। वर्ष 1989 के बाद कांग्रेस हाशिए पर पहुंचती गई। नब्बे के दशक में उठी राम लहर ने भाजपा को संजीवनी दी। 1991 और 1996 में भाजपा प्रत्याशी उदयवीर सिंह दूसरे नंबर पर थे, लेकिन 1998 में पार्टी के वीरेंद्र वर्मा ने सीट जीत ली। 1996 के लोकसभा चुनाव में सपा को अख्तर हसन के बेटे मुनव्वर हसन ने पहली जीत दिलाई। 98 में भाजपा को जीत मिली लेकिन अगले दो चुनाव रालोद के खाते में गए। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और भाजपा ने तीन-तीन बार कैराना पर जीत दर्ज की है। सपा और बसपा सिर्फ एक बार जीते हैं। 2009 में कैराना जीतने का बसपा सुप्रीमो मायावती का अधूरा सपना पूर्व सांसद मुनव्वर हसन की पत्नी तवम्सुम हसन ने पूरा किया। वर्ष 1984 में कैराना लोकसभा सीट से पहली बार चुनाव में उतरने वाली मायावती को कांग्रेस की लहर में तीसरे पायदान पर ही संतोष करना पड़ा था।

राजनीतिक रूप से कैराना हसन परिवार और बाबू हुकुम सिंह के परिवार का गढ़ रहा है। कैराना के राजनीतिक माहौल को वर्ष 2013 के मुजफ्फरनगर दंगे में बदल दिया। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की लहर चली और 2014 में भाजपा के हुकुम सिंह 2.36 लाख वोटों से चुनाव जीते, जो अब तक का यहां का सबसे बड़ा अंतर है। वर्ष 2015 में कैरना के तत्कालीन सांसद बाबू हुकुम सिंह ने अपराधीकरण की वजह से शामली से व्यवसायियों के पलायन का मुझ उठाया था, जिस पर सियासत खूब गरमाई थी।

कैराना लोकसभा सीट की बात की जाए तो यहां पर चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। आगामी 19 अप्रैल को इस सीट पर मतदान होगा। जिसकी तैयारी में सभी दलों के पदाधिकारी भी लगे हुए हैं। 2024 का रण अनौपचारिक तौर पर सज चुका है। एक तरफ सपा-कांग्रेस का गठबंधन है तो दूसरी तरफ भाजपा-रालोद एक साथ हैं। पिछला चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ने वाली बसपा अबकी बार एकला चलो की राह पर है। सपा ने तबस्सुम हसन की बेटी इकरा हसन को उम्मीदवार बनाया है। उनके भाई नाहिद हसन सपा के टिकट पर कैराना से विधायक हैं। लोकसभा क्षेत्र की बाकी चार विधानसभा सीटों में 2 भाजपा और 2 रालोद के पास है।

भाजपा ने इस सीट पर दोबारा से सांसद प्रदीप चौधरी को जहां चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं सपा-कांग्रेस गठबंधन से हसन परिवार की बेटी इकरा हसन चुनाव मैदान में ताल ठोक रही है। इसी तरह बसपा ने सहारनपुर के जिले के भावसी निवासी रिटायर्ड बीएसएफ के जवान श्रीपाल राणा को प्रत्याशी बनाया है। प्रदीप चौधरी के सामने दोबारा से इस बार भी सीट पर कमल खिलाने की चुनौती है। क्योंकि सीट पर दो बार सिर्फ जनता दल के प्रत्याशी हरपाल पंवार वर्ष 1989 और 1991 में सांसद रहे थे। इसके बाद कोई भी प्रत्याशी इस सीट पर दो बार लगातार जीत दर्ज नहीं कर सका।

प्रदीप चौधरी यदि इस बार चुनाव जीतते हैं तो जनता दल के लगातार दो बार सांसद बनने के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे। प्रदीप चौधरी के पिता मास्टर कंवरपाल सिंह भी तीन बार नकुड़ विधानसभा से विधायक रह चुके हैं। प्रदीप चौधरी खुद तीन बार विधायक रह चुके हैं। पिछले चुनाव में प्रदीप चौधरी ने सपा की तबस्सुम बेगम को हराया था। प्रदीप चौधरी को 566961 वोट मिले थे जबकि तबस्सुम को 474801 वोट मिले थे। जबकि तीसरे नंबर पर कांग्रेस के हरेंद्र मलिक रहे थे, जिन्होंने 69355 मत हासिल किए थे। हसन परिवार की बेटी इकरा हसन के सामने विरासत बचाने की चुनौती रहेगी। भाजपा के सांसद हुकुम सिंह की मौत के बाद वर्ष 2018 में उपचुनाव हुआ, जिसमें हसन परिवार की इकरा की मां तबस्सुम हसन ने रालोद से चुनाव लड़ते हुए 4,81,182 प्राप्त कर विजय हासिल की थी।

इससे पूर्व 2009 में भी तबस्सुम हसन ने बसपा से चुनाव लड़ा था और 2832590 मत हासिल कर जीत दर्ज की थी। 1996 में सपा से तबस्सुम हसन के पति मुनव्वर हसन ने चुनाव लड़ा था, उन्होंने 184636 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की थी। इससे पूर्व वर्ष 1984 में मुनव्वर हसन के पिता चौधरी अख्तर हसन ने कांग्रेस से चुनाव लड़ते हुए जीत दर्ज की थी।

इकरा के भाई नाहिद हसन वर्तमान में कैराना से विधायक हैं। उधर, बसपा ने लोकसभा सीट पर सहारनपुर जिले के भावसी निवासी रिटायर्ड बीएसएफ के जवान श्रीपाल राणा को प्रत्याशी बनाया है। श्रीपाल राणा ने छह माह पूर्व ही बसपा ज्वाइन की थी। श्रीपाल राणा के सामने बसपा की साख बचाना चुनौती रहेगा। अब देखना यह है कि प्रदीप चौधरी इस सीट पर फिर से कमल खिलाने में कामयाब होते हैं या फिर बसपा या सपा चुनाव परिणाम को पलटती है। मतगणना के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा।

बसपा ने इस बार कैराना लोकसभा सीट पर श्रीपाल राणा को उतारकर ठाकुर-दलित कार्ड खेला है। इस स्थिति में बसपा को ठाकुर के साथ दलित, मुस्लिम और अन्य वर्गों का वोट मिलता है तो भाजपा और सपा का खेल भी बिगड़ सकता है। अन्य निर्दलीय और पार्टियों के प्रत्याशी भी भाजपा, सपा का खेल बिगाड़ सकते हैं। कैराना लोकसभा सीट में पांच विधानसभ शामली, कैराना, थानाभवन, नकुड़ और गंगोह शामिल हैं। इस सीट पर मतदाताओं की संख्या- 17 लाख 19 हजार 11 वोट है। कैराना लोकसभा सीट मुस्लिम वोटों का बड़ा गढ़ है. यहां पर करीब 17 लाख मतदाताओं में सर्वाधिक छह लाख मुस्लिम है। एक अनुमान के मुताबिक, 1.50 लाख जाट, 2.50 लाख दलित, 1.30 लाख गुर्जर, 1.35 लाख सैनी, 1.25 लाख कश्यप, 50 हजार ठाकुर व 60 हजार से ज्यादा वैश्य वोट है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-49)

गतांक से आगे...

प्रकार पाँच तन्मात्राओं से युक्त होकर वह मन अपनी सूक्ष्मता त्यागकर आसमान में अग्निकणों की शक्ल में स्फुरित होते हुए शरीर का दर्शन करता है। ऋषि सूक्ष्म से क्रमशः स्थूल के विकास का चित्रण कर रहे हैं। यहाँ सूक्ष्म मनोमय से अपेक्षाकृत स्थूल अग्निकणों के रूप में प्राणमय कोश के विकास का क्रम बतलाया गया है। यह प्राणमय ही परिपक्व होकर स्थूल काया का रूप लेता है। ऋषि इस क्रिया की उपमा स्वर्णकणों को गलाकर वाञ्छित आकार में ढालने की क्रिया से दे रहे हैं। वह शरीर ही अहंकार कलाओं से युक्त और बुद्धि बीज से संयुक्त %पुर्यष्टक% नाम से जाना जाता है, जो प्राणियों के हृदय कमल में मँडराने वाले भौरे के सदृश है। पाक (परिपूर्णावस्था) की स्थिति में बिल्वफल की तरह ही तीव्र संवेगात्मक तेजस्वी शरीर की भावना किये जाने पर, मन स्थूल हो जाता है। निर्मल आकाश में वह तेज, मूषा (सोना गलाने के पात्र) में पिघले हुए स्वर्ण के समान स्फुरित होकर अपनी प्रकृति के अनुसार गठित होने लगता है। ऊपर से वह सिर की तरह, नीचे से पैरों की तरह, पार्श्वथों में भुजाओं की तरह तथा मध्य में उदर की तरह समय आने पर अभिव्यक्ति को प्राप्त होकर पूर्ण शरीर के आकार को प्राप्त हो जाता है। बुद्धि, वीर्य, बल, उत्साह, विज्ञान और वैभव से सम्पन्न हो जाता है। वही शरीर सब लोकों का पितामह भगवान् ब्रह्मा बन जाता है। भूत, भविष्यत् और वर्तमान के प्रत्यक्ष द्रष्टा भगवान् ब्रह्माजी ने अपनी उत्तम और मनोहर छबि को निहारकर विचार किया कि इस चिन्मात्र आत्मरूपी परमाकाश का कोई आदि अन्त दृष्टिगोचर नहीं होता। सर्वप्रथम क्या होना चाहिए? इस प्रकार का विचार करते ही तत्काल उन्हें पवित्र आत्मदृष्टि प्राप्त हुई। उन्हें अतीतकाल में हुई सृष्टि के असंख्य सर्ग दिखाई दिये, इससे समस्त धर्मों

क्रमशः ...

अभिनेत्रियों के लिए कठिन रही है राजनीति की डगर

महिलाओं के लिए राजनीति की राहें हमेशा से ही कठिन रही हैं। उनके लिए ये तभी आसान होता है, जब वो किसी ताकतवर या राजनीतिक परिवार से होती हैं। लेकिन अगर आप नहीं हैं तो भले ही कितनी बड़ी अभिनेत्री ही क्यों ना हों, आपका चरित्र हनन होना तय है। हेमा मालिनी को लेकर रणदीप सुरजेवाला का बयान और कंगना का नेताजी बोस को पहला प्रधानमंत्री कहने पर मजाक उड़ाना ये साबित करता है कि पुरुष प्रधान समाज में केवल जयललिता जैसी हीरोइन से तानाशाह बनी नेता ही अपनी जगह बना सकती है। एमजी रामचंद्रन की मौत के बाद जब पार्टी ने उनकी पत्नी वीएन जानकी को तमिलनाडु की पहली महिला मुख्यमंत्री बना दिया, तब जयललिता ने उम्मीद नहीं छोड़ी और ऐसी पहली अभिनेत्री बनीं जो मुख्यमंत्री पद तक पहुंची। वीएन जानकी को ये गद्दी विरासत में मिली थी, जिसे उनके पति की शिष्या जयललिता ने कुबूल नहीं किया। आपसी विवाद में अन्ना द्रमुक पार्टी 3 भागों में विभाजित हो गई। सबसे बड़ा हिस्सा जानकी के ही पास था। काफी हंगामे के बीच विश्वासमत पारित हुआ, लेकिन मौका देखकर राजीव गांधी सरकार ने 23 दिन के अंदर जानकी की सरकार को अनुच्छेद 356 लगाकर गिरा दिया और अगले विधानसभा चुनाव में जयललिता नेता विपक्ष और 1991 में सीएम बन गईं। जयललिता की भी राह आसान नहीं रही और शायद विरोधी नेताओं का उनके प्रति तिरस्कार पूर्ण रवैया ही था जो उनके निरंकुश होने की वजह बना। 1989 में विधानसभा में उनके साथ मायावती जैसा गेस्ट हाउस कांड हुआ। फटी हुई साड़ी के साथ जयललिता बाहर निकलीं, लेकिन जनता ने उनके प्रति सुहानूभूति दिखाते हुए उन्हें राज्य की 39 में से 38 लोकसभा सीटें उसी साल आम चुनाव में दे दीं।

जयललिता ने दक्षिण की बाकी हीरोइंस को भी राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया। हालांकि इंदिरा गांधी के रहने तक ज्यादातर कांग्रेस से जुड़ने से परहेज ही करती थीं। इंदिरा की मौत के बाद हिंदी फिल्मों की कामयाब अभिनेत्री रहीं वैजयंती माला ने 1984 के चुनावों से राजनीति में प्रवेश किया। कांग्रेस के टिकट पर वैजयंती माला साउथ चेन्नई की सीट से 48,000 वोटों से जीतीं। लेकिन इंदिरा लहर में उनकी जीत को सीरियस नहीं लिया गया। हालांकि अगली बार तमिलनाडु के कानून मंत्री को हराकर उन्होंने वो सीट फिर जीत ली लेकिन उनकी पार्टी के लोग ही उनको लड़ते हुए देखना नहीं चाहते थे, सो उनको राज्यसभा भेजकर उनसे मुक्ति का रास्ता ढूंढा गया। राज्यसभा का कार्यकाल खत्म होते होते उन्हें पार्टी के लोगों से निराशा हो गई, सोनिया गांधी को एक भावुक पत्र लिखा, पार्टी के लोगों के बारे में लिखा और 1999 में बीजेपी में शामिल हो गईं। जयाप्रदा को 1994 में एनटी रामाराव राजनीति में लाए। वो तेलुगू देशम पार्टी के लिए प्रचार करती रहीं। लेकिन उस साल चुनाव लड़ने से मना कर दिया। बाद में चंद्रबाबू नायडू ने विद्रोह किया तो उनके साथ चलीं गईं। नायडू ने उन्हें राज्यसभा भेज दिया लेकिन जयाप्रदा पार्टी के लोगों के लगातार निशाने पर रहीं। उनको टीडीपी से विरक्ति हो गई। अमर सिंह से मुलाकात उन्हें समाजवादी पार्टी में ले आई। रामपुर लोकसभा सीट से 2004 में भारी मतों से जीतने के बाद आजम खान से उनकी बिगड़ गई। आजम खान पर उन्होंने आरोप लगाया कि वो उनकी फेक न्यूड तस्वीरें बंटवा रहे हैं।

अधिक सयाने नेता ना घर के रहे ना घाट के

रमेश सर्राफ धमोरा

कहते हैं राजनीति संभावनाओं का खेल है। इसमें कब क्या हो जाए किसी को पता नहीं रहता है। राजनीति में जरा सा चूकने पर खेल ऐसा बिगड़ जाता है कि फिर सुधरे भी नहीं सुधर पाता है। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ राजनीतिक दलों व उनके नेताओं के साथ भी कुछ ऐसी घटनाएं घट गई जो ना उनसे निगलते बन रही है ना ही उगलते।

बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता व केंद्र में मंत्री रहे पशुपति पारस अपने भतीजे चिराग पारस कि एनडीए से बगावत के वक्त खुलकर एनडीए के साथ रहकर अपना मंत्री पद बचा ले गए थे। उसे वक्त उनके साथ पार्टी के 6 में से पांच सांसद भी थे। मगर समय का चक्र देखिए आज पशुपति पारस के पास ना तो मंत्री पद बचा है ना ही लोकसभा की सीट बच पाई है। चिराग पासवान के एनडीए में वापस आने के चलते सीट शेयरिंग में उन्हें पांच सीट दे दी गई। जबकि उनके विरोधी चाचा पशुपति पारस वाली लोक जनशक्ति पार्टी को एनडीए में एक भी सीट नहीं दी गयी।

इससे नाराज होकर पशुपति पारस लालू यादव नीत महागठबंधन में शामिल होने की घोषणा कर केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया था। मगर राजनीति के चतुर खिलाड़ी लालू यादव ने पशुपतिनाथ पारस को घास नहीं डाला और उनकी पार्टी को गठबंधन में एक भी सीट नहीं दी। इससे पशुपति पारस की स्थिति बहुत ही हास्यास्पद हो गई। और वह फिर से एनडीए में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुणगान करने लगे हैं। पशुपति पारस के चक्कर में उनके दूसरे भतीजे प्रिंस राज भी इस बार बिना टिकट ही रह गए। उन्हें भी किसी गठबंधन में शामिल नहीं किया गया है।

कहां जा रहा है कि भाजपा द्वारा पशुपति पारस को चिराग पासवान का समर्थन करने के बदले राज्यपाल का पद व प्रिंस राज को बिहार सरकार में

मंत्री बनाने का ऑफर दिया गया था। मगर उन्होंने उस ऑफर को छोड़कर महागठबंधन से सीट लेने के चक्कर में केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा देते हुये एनडीए के खिलाफ बयानबाजी कर दी थी। अब देखते हैं चुनाव के बाद आगे पशुपति पारस व उनके भतीजे प्रिंस राज का फिर से राजनीतिक पुनर्वास होता है या वह राजनीति के बियाबान में खो जाते हैं। इसका पता तो लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद ही लग पाएगा। फिलहाल तो पशुपति पारस ना घर के रहे ना घाट के रहे वाली स्थिति में है।

खुद को सन ऑफ मल्लाह कहलाने वाले विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी के साथ भी कुछ ऐसा ही वाकया हुआ है। कभी मुंबई की फिल्में इंडस्ट्री में काम कर पैसे कमाने वाले मुकेश सहनी की फितरत एक जगह टिकने की नहीं रही है। वह बिहार में बड़ी राजनीति करने का सपना देखते रहते हैं। इसी चक्कर में वह अलग-अलग गठबंधनों में शामिल होकर चुनाव लड़ते रहे हैं। मगर कभी चुनाव नहीं जीत पाए हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने बिहार के एनडीए गठबंधन में शामिल होकर 13 सीटों पर अपनी पार्टी को चुनाव लड़वाया था और उनकी पार्टी के चार विधायक जीते थे। उनका स्वयं को भी नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री बनाया गया था। मगर अपनी फितरत के मुताबिक वह अधिक समय तक गठबंधन में नहीं टिक पाए। तब भाजपा ने उनके विधायकों को तोड़ लिया और वह अकेले रह गए। अब उनका विधान परिषद का कार्यकाल भी पूरा हो गया है। इस बार के लोकसभा चुनाव में उन्होंने फिर से भाजपा के एनडीए व लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन में शामिल होकर लोकसभा चुनाव लड़ने का प्रयास किया था। मगर उनके मांग पत्र व सीटों की संख्या देखकर किसी भी गठबंधन ने उनसे तालमेल करना मुनासिब नहीं समझा। दोनों ही गठबंधन उन्हें बातों में उलझाए रखा और अंत में किसी ने भी उनके साथ तालमेल नहीं किया। आज मुकेश सहनी यदि लोकसभा चुनाव लड़ते हैं तो उन्हें अपने ही दम पर चुनाव मैदान में उतरना पड़ेगा।

पूर्णिया के पूर्व सांसद पप्पू यादव किसी समय बिहार में चर्चित युवा नेता होते थे। कम उम्र में ही कई बार सांसद, विधायक बनने वाले पप्पू यादव की बाहुबली वाली छवि के चलते उन्हें चुनाव जीतने में कोई दिक्कत नहीं होती थी। एक समय उन्होंने शरद यादव जैसे दिग्गज नेता को भी हरा दिया था। मगर अब समय का फेर देखिए आज वही पप्पू यादव एक टिकट के लिए मारे मारे घूम रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव से अपने संबंध सुधारने के लिए उनके आवास पर जाकर हाजिरी भी दे दी थी। फिर उन्होंने अपनी जन अधिकार पार्टी का दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में जाकर कांग्रेस में विलय कर दिया था।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद पप्पू यादव ने पूर्णिया से कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी। मगर राजनीति के चतुर खिलाड़ी लालू प्रसाद यादव ने पप्पू यादव को माफ नहीं किया था और उसके साथ खेला कर दिया। लालू यादव ने बिहार में सीट बंटवारे के दौरान पूर्णिया की सीट अपनी पार्टी राजद के खाते में रखकर वहां से जदयू की विधायक बीमा भारती को राजद प्रत्याशी घोषित कर दिया। इसके चलते पप्पू यादव का पूर्णिया से कांग्रेस प्रत्याशी नहीं बना पाई। अब पप्पू यादव ने घोषणा की है की जान चली जाएगी तब भी पूर्णिया को नहीं छोड़ेंगे और वह पूर्णिया से ही निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

पप्पू यादव के बयान पर कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने उनसे कन्नी काटते हुए कहा है कि पप्पू यादव ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय किया है लेकिन खुद पार्टी के सदस्य नहीं बने हैं। ऐसे में वह कहीं से भी चुनाव लड़ने को स्वतंत्र है। कांग्रेस पार्टी को उनसे कोई लेना देना नहीं है। पूर्णिया से टिकट नहीं मिलने के बाद पप्पू यादव की हालात देखते ही बनती है। वह न घर के रहे ना घाट के उल्टे उनके बने बनाये समीकरण और बिगड़ गए हैं। हालांकि पिछले चुनाव में पप्पू यादव ने मधेपुरा से लोकसभा चुनाव लड़ा था। जहां उनकी जमानत जप्त हो गई थी। उन्हें मात्र 97631 यानि 8.51 प्रतिशत वोट ही मिले थे। जबकि 2014 में वह मधेपुरा से चुनाव जीते थे। मधेपुरा में पिछली बार जमानत जब्त होने के चलते पप्पू यादव इस बार पूर्णिया से चुनाव लड़ रहें हैं। पप्पू यादव की पत्नी रंजीता रंजन कांग्रेस से राज्यसभा सांसद व पार्टी की राष्ट्रीय सचिव है। पूर्व में वह सहरसा व सुपौल से सांसद भी रह चुकी हैं।

आज का इतिहास

1801 रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में हुई हिंसा में 128 यहूदियों की मौत।

1820 दुनिय की सबसे मशहूर मूर्तियों में से एक 'वीनस डि मेलो' को ग्रीस में एजिम सागर के पास खोजा गया।

1831 प्रसिद्ध समाज सुधारक राजा राम मोहन राय इंग्लैंड पहुंचे।

1857 प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेज़ों पर पहली गोली चलाने वाले मंगल पांडेय को फांसी दी गयी।

1859 जर्मन फिलॉस्फर एडमंड हुसेरेल का जन्म, उन्हें फिनॉमलॉजी का जनक माना जाता है।

1894 प्रसिद्ध बंगला कवि और बंदे मातरम के रचयिता बंकिम चन्द्र चटर्जी का कलकत्ता में निधन।

1912 नील नदी में जहाजों के आपसी भिड़ंत में 200 से ज्यादा लोगों की डूबकर मौत।

1929 भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली के सेंट्रल असेंबली हॉल में बम फेंके।

1938 संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान का जन्म।

1947 अमेरिकी उद्योगपति हेनरी फोर्ड का 83 वर्ष की उम्र में निधन।

1950 भारत और पाकिस्तान के बीच लियाकत-नेहरू समझौता।

1961 ब्रिटिश जहाज दारा का फारस की खाड़ी में गिरने से 236 लोगों की मौत।

1965 भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा युद्ध शुरू। इसे कश्मीर के दूसरे युद्ध के नाम से भी जाना जाता है।

1973 स्पेन के चित्रकार पाब्लो पिकासो का निधन।

1988 जनरल वेंग शांग कुन चीन के राष्ट्रपति निर्वाचित।

2000 गुटनिरपेक्ष देशों के विदेश मंत्रियों का 13वां सम्मेलन कोलंबिया के कार्टिजेना शहर में प्रारम्भ।

2005 पोप जॉन पॉल द्वितीय के निधन के छह दिन बाद वेटिकन में उनका अंतिम संस्कार हुआ।

2006 ल्यूकाशेंको ने तीसरी बार बेलारूस के राष्ट्रपति पद की शपथ ली।

2008 आन्ध्र प्रदेश व कर्नाटक की सरकारों ने अपने यहां सिक्खों को अल्पसंख्यक घोषित किया।

2013 ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गेरेट थैचर का लंदन में निधन।

2015 भारतीय पत्रकार तथा मशहूर लेखक जयकांतन का निधन।

एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे में कौन बनेगा जाणता राजा?

समीर चौगांवकर

मोदी को कितनी सीटें मिलेगी, इससे ज्यादा इस बात पर चर्चा हो रही है कि महाराष्ट्र की जनता एकनाथ शिंदे बनाम उद्धव ठाकरे में से किसे असली शिवसेना का सर्टिफिकेट देने वाली है? एकनाथ शिंदे के साथ बहुसंख्यक विधायक और सांसद भले ही चले गए हों, बाला साहेब ठाकरे की पार्टी का नाम और सिंबल भले ही एकनाथ शिंदे को मिल गया हो, एकनाथ शिंदे भले ही उद्धव को कुर्सी से उतार कर खुद महाराष्ट्र के राजा बन गए हों, लेकिन शिव सेना के समर्थकों के दिलों में कौन राज करता है इस पर महाराष्ट्र में संशय बना हुआ है।

पार्टी का विभाजन, वफादारी में बदलाव और तमाम कानूनी झटकों के बाद भी उद्धव ठाकरे मराठी मानुष की सहानुभूति को अपने पक्ष में बनाये रखने में काफी हद तक सफल रहे हैं। उद्धव ठाकरे एकनाथ शिदे को गद्दार और मोदी शाह के रहमोकरम पर पलने वाला मुख्यमंत्री बता रहे हैं और कह रहे हैं कि बाघ की खाल ओढकर कोई शेर नही बन जाता।

शिंदे के हाथों मूल शिवसेना गंवा चुके उद्धव ठाकरे पूरे महाराष्ट्र का दौरा करने का प्लान बना रहे हैं और उनकी कोशिश महाराष्ट्र की सभी 48 लोकसभा सीटों पर पहुंचने की है। ऐसा इसलिए क्योंकि उद्धव ठाकरे जानते हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव उनके लिए जीने और मरने का चुनाव है।

उद्धव ठाकरे मराठी टाइगर की वह दहाड़ भरने की कोशिश कर रहे हैं जो उनके पिता बालासाहेब ठाकरे की पहचान थी। महाराष्ट्र में और खासकर मुम्बई में एक ऐसा वर्ग है जो चाहता है कि सच्चा शिवसैनिक सिर्फ महाराष्ट्र के हितों की बात करे और दिल्ली का दरबारी बनने के बजाय दिल्ली नेतृत्व की आंखों में आंखे डालकर बात करें। उद्धव महाराष्ट्र में यही संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने भाजपा के सामने घुटने नहीं टेके तो भाजपा ने महाराष्ट्रवासियों से बाला साहेब ठाकरे की शिवसेना को मातोश्री से छीन लिया।

उद्धव ठाकरे लगातार उनके साथ हुए छल और धोखे की बात कर रहे हैं और इसे ऐसा बताने की कोशिश कर रहे हैं जैसे यह धोखा पूरे महाराष्ट्र के साथ हुआ है। उद्धव ठाकरे विक्टिम कार्ड खेल रहे हैं लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी उद्धव के लिए यह चुनाव इतना आसान नहीं होनेवाला है।

उद्धव ठाकरे शिव सेना का नाम और सिंबल जाने से कमजोर तो हुए ही हैं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को मोदी और शाह के पूरे सहयोग के कारण भी उद्धव ठाकरे को अतिरिक्त कमजोरी का एहसास हो रहा है। एकनाथ शिंदे चुनाव आयोग से मिले पार्टी के नाम और सिंबल के दम पर खुद को असली शिवसेना बताने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। एकनाथ शिंदे ने ग्रामीण मराठाओं को कुनबी के रूप में कोटा देकर उनके बीच अपनी पकड़ मजबूत की है।

उद्धव ठाकरे के साथ-साथ उनके वफादार शिवसैनिक पूरे महाराष्ट्र में शिंदे के खिलाफ गद्दारी का एजेंडा चलाकर मराठियों से भावुक अपील कर रहे हैं। मराठी भावुक होते हैं और बाला साहेब ठाकरे के प्रति उनमें हद दर्जे की दीवानगी है। इसलिए उद्धव ठाकरे यह बताने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं कि धोखा उद्धव ठाकरे के साथ नहीं, बाला साहेब ठाकरे के साथ हुआ है।

उद्धव ठाकरे और उनके समर्थकों को लगता है कि मराठी मानुष बालासाहेब के बेटे को धोखा देने वालों को माफ नहीं करेंगे। महाराष्ट्र का यह कटु सत्य है कि मराठी लोग मुम्बई में बहुसंख्यक नहीं, लेकिन सबसे बड़े अल्पसंख्यक बन गए हैं। मराठी मानुष में एक असुरक्षा की भावना उत्पन्न हुई है, जो मुम्बई और उसके आसपास के इलाकों में महसूस की जा सकती है। हिन्दुत्व समर्थक मराठियों का एक वर्ग ऐसा भी है जिसको लगता है कि उनकी बात करने वाली शिवसेना को निजी खुन्नस के चलते मोदी और शाह ने चालाकी से शिंदे को सौप दिया। फिर भी उद्धव ठाकरे इस बात को समझते हैं कि सिर्फ मराठी भावनाओं के दम पर लोकसभा, विधानसभा या मुम्बई महानगरपालिका का चुनाव नहीं जीता जा सकता। चुनाव जीतने के लिए कुछ अतिरिक्त सामाजिक समीकरण तैयार करने होंगे, जिससे सिर्फ मराठियों और हिन्दुत्ववादियों की पार्टी से ऊपर भी वोट बटोरे जा सके। इसी कारण उद्धव ठाकरे और उनके सिपहसालार मराठी मुस्लिम एकजुटता पर भी काम कर रहे हैं।

मोदी और भाजपा पर उद्धव ठाकरे के लगातार आक्रामक प्रहार ने भी मुस्लिम वोटर्स को आकर्षित किया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि उद्धव ठाकरे के मराठी वोटर्स को कुछ हद तक एकनाथ शिंदे ने भाजपा के सहयोग से अपने पक्ष में किया है। ऐसे में उद्धव ठाकरे कम हो रहे अपने मतदाताओं की भरपाई मराठी मुस्लिम सोशल इंजीनियरिंग के दम पर करना चाहते हैं।

लेकिन उद्धव ठाकरे की एक बडी समस्या उनके सहयोगी दल कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस से अपेक्षित सहयोग न मिल पाना है। टिकट बंटवारे पर बेहद लंबी वार्ता और उसका कोई सार्थक नतीजा न निकलने ने भी उद्धव को समझा दिया है कि उनकी लड़ाई उनको खुद लड़नी है। यही कारण रहा कि उद्धव ठाकरे ने अपने 22 उम्मीदवारों की सूची बिना सहयोगी को साथ लिए घोषित कर दी। उद्धव ठाकरे के सामने एक बड़ी चुनौती यह भी है कि शिवसैनिकों और शरद पवार सहित कांग्रेस के बीच दशकों से चली आ रही राजनैतिक प्रतिद्धद्धिता से साझा चुनावी अभियान में दिक्कत आ रही है। शरद पवार और कांग्रेस के साथ खड़े होकर मराठी हिन्दुत्ववादी वोट ट्रांसफर करवाना आसान नहीं होगा। शिवसेना की टूट का सबसे बड़ा कारण भी एकनाथ शिंदे ने यह बताया था कि उद्धव ने कांग्रेस से हाथ मिलाकर हिन्दुत्व से समझौता कर लिया है। फिर अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और मोदी के तीसरे कार्यकाल की अपील ठाकरे की सहानुभूति पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में अपने जीवन की सबसे कठिन चुनावी चुनौती से सामना कर रहे उद्धव ठाकरे को नाजुक संतुलन साधना होगा। ठाकरे को नए मतदाता समूह को तैयार करते समय अपने मूल मराठी आधार को भी याद दिलाना होगा कि शिवसैनिक राम मंदिर आंदोलन से हमेशा जुड़े रहे हैं। अयोध्या में बने राम मंदिर की नींव में शिवसैनिको का बलिदान और बालासाहेब ठाकरे का योगदान भी है। बालासाहेब ही असली हिंदू हदय सम्राट थे। लेकिन इस राह में सबसे बड़ा रोड़ा मुस्लिम वोटरों तक पहुंचने की उद्धव की नीति है। मराठी मुस्लिम कॉम्बीनेशन को साधना उद्धव ठाकरे के लिए इतना आसान नहीं होगा। इसलिए इस बार महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के लिए करो या मरो की लड़ाई है। उद्धव के सामने सबसे बड़ी समस्या यह भी है कि पहले लोकसभा चुनाव है और उसके चार महीने बाद विधानसभा चुनाव। लोकसभा चुनाव में उम्मीदों पर खरा न उतरने या सम्मानजनक सीटें न मिलने पर उद्धव ठाकरे के लिए कार्यकर्ताओं में विधानसभा चुनाव तक उत्साह और एकजुट बनाए रखना मुश्किल होगा।

मोदी को मिले वोट को एकनाथ शिंदे पूरे महाराष्ट्र में अपना वोट बैंक बताकर ढिंढोरा पीटेंगे और खुद को असली बालासाहेब का वारिस बताने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगे। विधानसभा चुनावों में मैरिट में आने की तैयारी कर रहे उद्धव ठाकरे को लोकसभा चुनाव की परीक्षा में पास तो होना ही होगा क्योंकि लोकसभा चुनाव की परीक्षा में फेल होने पर उद्धव के पास विधानसभा चुनाव में पास होने की भी संभावना नहीं बचेगी। बहरहाल 2024 का लोकसभा चुनाव शिवसेना के भविष्य के लिए निर्णायक होने जा रहा है।

आम आदमी की पहुंच से दूर होते जा रहे खर्चीले चुनाव

प्रमोद भार्गव

केंद्र सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि %मुझे इस बात को लेकर भी मलाल है कि चुनाव में समुदाय व धर्म जैसी चीजों को जीत तय करने का आधार बनाना पड़ता है। इसलिए मैंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है।

सीतारमण कई बार लोकसभा का चुनाव लड़ने के अनुभव से गुजर चुकी हैं। इसलिए वे जो कह रही हैं उसमें निश्चित ही सच्चाई है। हम देख भी रहे हैं कि अनैतिक रूप से कमाए गए धन और आवारा पूंजी ने चुनावी खर्च इतना बढ़ा दिया है कि गरीब आदमी तो छोड़िए मध्यमवर्गीय व्यक्ति का भी चुनाव लड़ना मुश्किल है।

वैसे चुनाव आयोग ने लोकसभा उम्मीदवार को 95 लाख रुपए तक खर्च करने की छूट दी हुई है। लेकिन हम सब जानते हैं कि करीब आठ विधानसभाओं में लड़े जाने वाले इस चुनाव में यह राशि ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर है। वास्तविक खर्च इससे कई गुना अधिक होता है। प्रत्याशी और दल तो चुनाव में धन खर्च करते ही हैं, सरकार को भी चुनाव कराने में बड़ी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। इसलिए खर्च के इस छुटकारे के उपाय एक साथ चुनाव बनाम संयुक्त चुनाव में देखे जा रहे हैं। संभव है 2029 का चुनाव इसी प्रणाली से हो।

लोकसभा, विधानसभा, नगरीय निकायों और पंचायतों के चुनाव एक साथ हों तो लंबी चुनाव प्रक्रिया के चलते मतदाता में जो उदासीनता छा जाती है, वह दूर होगी। एक साथ चुनाव में वोट डालने के लिए मतदाता को एक ही बार घर से निकलकर मतदान केंद्र तक पहुंचना होगा, अतएव मतदान का प्रतिशत बढ़ जाएगा।

यदि यह स्थिति बनती है तो चुनाव में होने वाले सरकारी धन का खर्च कम होगा। 2019 के आम चुनाव में करीब 60000 करोड़ खर्च हुए थे, जबकि 2014 में इसके आधे 30 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए थे. 2024 के चुनाव में एक लाख करोड़ रु. से अधिक खर्च होने की उम्मीद है। गैर-लाभकारी संगठन सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज (सीएमएस) के अध्ययन के अनुसार 2019 का आम चुनाव दुनिया में सबसे महंगा चुनाव रहा है। इस चुनाव में औसतन प्रति लोकसभा क्षेत्र 100 करोड़ रु. खर्च हुए। एक तरह से यह खर्च एक मत के लिए 700 रु. बैठता है। यह खर्च केवल चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने के बाद का है। कई उम्मीदवार जिनका लड़ना तय होता है, वह साल-छह माह पहले से ही चुनाव की तैयारियों में लग जाते हैं। इस खर्च को अध्ययन में शामिल नहीं किया गया है। यदि लोकसभा क्षेत्र की बात करें तो 75 से 80 सीटें ऐसी थीं, जहां प्रत्याशी विशेष ने 40 करोड़ रु. से भी अधिक खर्च किए। यह चुनाव आयोग द्वारा प्रत्याशी के लिए तय की गई खर्च की अधिकतम सीमा से 50 गुना से भी अधिक है।

अकेले चले थे, मगर क्या बन पाया कारवां?

अमिताभ श्रीवास्तव

पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हवा होने के बावजूद महाराष्ट्र में तीन नए चेहरे जीतकर सामने आए थे, जिनमें औरंगाबाद से जीतने वाले इम्तियाज जलील, अमरावती से विजेता बनीं नवनीत राणा और चंद्रपुर से जीते सुरेश धानोरकर थे।

शिवसेना ने 18 सीटें जीतने के बाद भी दो जगह झटका खाया था, जबकि भाजपा को हंसराज अहीर के रूप में अपने मंत्री को हारते हुए देखना पड़ा था। तीनों चेहरों की राज्य में चर्चा बहुत हुई। इम्तियाज जलील और नवनीत राणा लोकसभा में मुखर दिखाई दिए।

दुर्भाग्य से कांग्रेस के इकलौते सांसद धानोरकर का असामयिक निधन हो गया। किंतु तब उनकी जीत ही कांग्रेस के लिए संजीवनी थी। परंतु अब चुनाव के द्वार पर तीनों स्थानों पर संघर्ष की अपनी बिसात तैयार है। हालात जो पहले थे, वे अब नहीं हैं. समीकरण जो आसानी से जीत में बदल रहे थे, उन्हें तैयार करना मुश्किल हो चला है।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 48 सीटों में से 41 पर भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने कब्जा जमाया था। चार सीटें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने जीतीं और एक-एक सीट पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), कांग्रेस और राकांपा समर्थित निर्दलीय की विजय हुई थी। चंद्रपुर सीट पर कांग्रेस के धानोरकर ने 44,763, अमरावती सीट पर राणा ने 36,951 और औरंगाबाद सीट पर जलील ने 4,492 मतों से विजय प्राप्त की थी।

लोकसभा चुनाव की दृष्टि से देखा जाए तो तीनों विजेताओं की जीत का अंतर बहुत अधिक नहीं था। किंतु तीनों स्थानों पर स्थापित सांसदों की पराजय हुई। चंद्रपुर से अहीर, अमरावती से अड़सूल और औरंगाबाद से चंद्रकांत खैरे अनेक बार चुनाव जीत चुके थे।

कुछ हद तक इन स्थानों पर नए उम्मीदवारों की जीत को सत्ता विरोधी मतों की जीत माना गया। सब कुछ होने के बाद तीनों सांसदों को अपनी छाप छोड़ने का अवसर था, लेकिन सत्ता का साथ न होने से संकट अपनी जगह था। बीच में दो साल का कोविड महामारी का प्रकोप बड़ी परेशानी थी, जिसने आमजन को तो झकझोरा ही, नेताओं के कामकाज को भी प्रभावित किया। यहां तक कि सांसद निधि पर भी रोक लगी रही। यूं देखा जाए तो ढाई साल का अवसर ही सीधे तौर पर कामकाज के लिए मिला।

एआईएमआईएम के सांसद जलील ने अपनी पार्टी लाइन पर चलते हुए मुस्लिमों की आवाज को बुलंद किया। साथ ही अपने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पानी, आवागमन और चिकित्सा पर अपना ध्यान केंद्रित किया। हालांकि वह विधायक से सांसद बने थे, इसलिए उन्हें क्षेत्र का अनुभव था. फिर भी छोटे दल के विपक्षी सांसद होने के कारण सत्ता का सहयोग अधिक नहीं मिला।

निर्दलीय सांसद राणा ने चुनाव जीतने के साथ ही भाजपा का समर्थन आरंभ किया, जिससे उन्हें पहचान

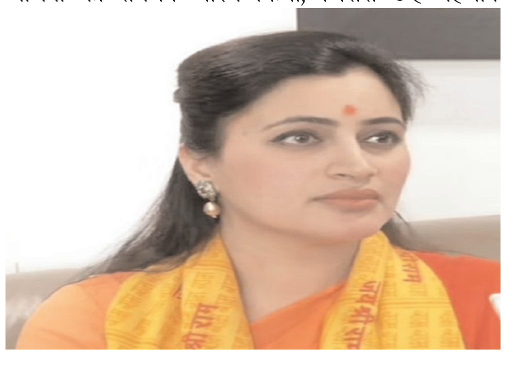

मिली। सत्ताधारियों का सहारा मिला, लेकिन शिवसेना के साथ बैर भी बढ़ा और अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। फिर भी उन्होंने जमीनी कामकाज पर जोर दिया। कांग्रेस के धानोरकर विपक्ष में बैठने के बाद सिमट कर रह गए।

पहले कोरोना ने काम नहीं करने दिया, बाद में उन्हें अपनी बीमारी से मुकाबला करना पड़ा, जिसमें पिछले साल मई में उन्हें पराजय ही मिली. आखिर में धानोरकर की राजनीति की डोर उनकी पत्नी को संभालनी पड़ी।

अब नए परिदृश्य में सांसद जलील की जीत के दो हिस्सेदार वंचित बहुजन आघाड़ी से गठबंधन और निर्दलीय हर्षवर्धन जाधव का तत्कालीन सांसद चंद्रकांत खैरे के खिलाफ प्रचार इस बार नहीं है।

वंचित बहुजन आघाड़ी ने अपना अलग उम्मीदवार मैदान में उतारा है ।खैरे विभाजित शिवसेना के ठाकरे गुट के साथ चुनाव लड़ने जा रहे हैं, जबकि भाजपा और शिवसेना का शिंदे गुट अभी तक अपना प्रत्याशी तय नहीं कर पाए हैं ।जलील के पास मराठा आंदोलन को समर्थन देने का साथ है तथा कुछ हिंदू और दलित क्षेत्रों के लिए किए गए कामों की सहायता है। इसके अलावा सुशिक्षित, सहज और संघर्षशील व्यक्ति की छवि का साथ है।

सांसद राणा ने पिछला चुनाव राकांपा के समर्थन से जीता था। बाकी सभी दल विरोध में चुनाव मैदान में थे।किंतु इस बार चुनाव के बाद नीतियों का लगातार समर्थन करने से उन्हें भाजपा का टिकट तो मिल गया है, लेकिन विरोधी कम नहीं हुए हैं। यहां तक कि राज्य की सरकार में शामिल प्रहार पार्टी के प्रमुख बच्चू कड़ू उनका खुला विरोध कर रहे हैं।

शिवसेना का भी स्वाभाविक असहयोग उनके साथ रहेगा। दूसरी ओर हिंदुत्व का जोरदार प्रचार और जमीन से जुड़े रहने की कोशिशें राणा को साथ देंगी। बयानों में बेबाकी भी उनकी पहचान बनी रहेगी। ना, ना करते हुए उनका कमल चिह्न पर चुनाव लड़ना मजबूरी है। उधर, धानोरकर के निधन के बाद उनकी पत्नी प्रतिभा धानोरकर का मुकाबला भाजपा के मजबूत खिलाड़ी सुधीर मुनगंटीवार से है।

हालांकि उनको लोकसभा चुनाव का अनुभव नहीं है किंतु भाजपा में उनकी स्थिति मजबूत है। प्रतिभा धानोरकर चंद्रपुर जिले के वरोरा से कांग्रेस विधायक हैं और अब पति की विरासत को संभालने के लिए उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरना मंजूर किया है। अब वह महाविकास आघाड़ी के समर्थन से चुनाव लड़ रही हैं। लिहाजा उनके लिए स्थितियां बहुत बदली नहीं हैं।

कुल जमा पिछले चुनाव के तीनों ही नए सांसदों के लिए स्थितियां बहुत अधिक बदल चुकी हैं। मतदाताओं पर छाप छोड़ने के बावजूद राजनीतिक आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए कोई समीकरण तैयार नहीं हो रहे हैं। अकेले चलने के बाद कारवां अभी तक तैयार नहीं हुआ है। मतों के हिस्से-बांट पर ही चुनावी संभावनाएं टिकी हुई हैं।

जिन राजनीतिक दलों की कमजोरी से तीनों को विजय मिली थी, वे भी अब कोई गलती करने की फिराक में नहीं हैं। फिर भी मतदाता के मन में पांच साल में बनी छवि यदि सोच बदलने में सफल रही तो सफलता भी मिल सकती है। वर्ना सांसद इम्तियाज जलील के शब्दों में 'एक्सीडेंटल एमपी'के लिए दुर्घटना का होना भी जरूरी होता है, जो कब हो जाए कहा नहीं जा सकता।

बारूद के मुहाने पर बैठा पाकिस्तान; बढ़ती आतंकी घटनाओं के बीच ग्वादर में हमले से हाहाकार

रवींद्र दुबे

हाल ही में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी काम्प्लेक्स पर हुए एक जटिल हमले का मुकाबला करने में दो घंटे तक काफी परेशानियों से जूझना पड़ा। इस जंग में आठ हमलावर और दो सिपाही मारे गए। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की मजीद ब्रिगेड ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने जोर देकर यह दावा किया कि पाकिस्तान की इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस और मिलिटरी इंटेलिजेंस के ठिकाने उनके लड़ाकों के निशाने पर थे।

अभी दो हफ्ते पहले ही बलूच लिबरेशन फ्रंट ने केच इलाके के कोल्वा कस्बे में भी दस सैन्य वाहनों के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। पिछले दो वर्षों से पाकिस्तान में बलूच घुसपैठ बढ़ती जा रही है। घुसपैठिए हिम्मत के साथ सामने से हमला कर पाकिस्तानी सैन्य और पारा सैन्य संस्थानों की सुरक्षा की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ग्वादर का यह हमला बलूच समूहों की बढ़ती हुई आक्रामक क्षमता को ही इंगित करता है। यह हमला इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि ग्वादर बंदरगाह में चीन का अच्छा-खासा निवेश है, और यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। वस्तुत इसे महज एक आतंकवादी हमला कह कर खारिज नहीं किया जा सकता। इस हमले ने पाकिस्तान के, खुद अपने देश में चीनी हितों की सुरक्षा के प्रयासों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

बीजिंग ने बारंबार अपने नागरिकों और निवेश की सुरक्षा के प्रयास बढ़ाए जाने पर जोर दिया है। कंगाल हो चुके पाकिस्तान को इस चीनी निवेश की जबर्दस्त जरूरत है। भू-राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि बलूचिस्तान में अलगाववाद की आग इस कदर पनप चुकी है कि बारूद के मुहाने पर बैठा पाकिस्तान का यह प्रांत कभी भी विस्फोट कर सकता है। यह प्रदेश तेल, कोयला सोना, तांबा और गैस भंडारों सहित प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद पकिस्तान का सबसे गरीब और सबसे कम आबादी वाला इलाका है। इसका क्षेत्रफल भी सर्वाधिक है।

यह हमला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कुर्सी संभालने के चंद हफ्तों के भीतर हुआ है। पाकिस्तान में उग्रवाद के विशेषज्ञ और स्वतंत्र विश्लेषक फाखर

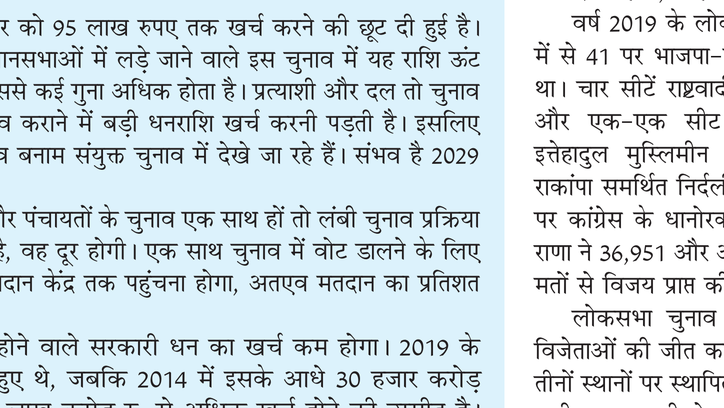

ककाखेल के अनुसार, प्रतीकात्मक रूप से उक्त हमला महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, इस हमले से अखबारी सुर्खियां बनीं और यही बलूच घुसपैठिए चाहते भी थे। वे यह संदेश देना चाहते थे कि खासे सुरक्षा इंतजामों के बावजूद वे अपने मकसद में कामयाब रहे।

एक अन्य स्वतंत्र विश्लेषक किया बलोच का कहना है कि हमला पाकिस्तान के पुख्ता सुरक्षा इंतजामों से लैस शहर के हाई सिक्योरिटी जोन में हुआ है। इस हमले से बलूच अलगाववादियों ने पूरी दुनिया को संदेश दिया है कि चीन या किसी अन्य विदेशी दल के लिए निवेश के लिए ग्वादर बंदरगाह सुरक्षित नहीं है।

बात केवल पाकिस्तान द्वारा चीनी हितों की सुरक्षा बढ़ाने तक सीमित नहीं है। बलूच घुसपैठिए और पाकिस्तानी तालिबान उस इलाके को निशाना बना रहे हैं, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, इस क्षेत्र की शांति उक्त गलियारे के पूरा होने की दिशा में एकमात्र हल है और यह तभी हो सकता है, जब सरकार बलूचिस्तान की जरूरतें पूरी करने के लिए बातचीत की शुरुआत करे, बजाय कड़ा रुख अख्तियार कर तनाव बढ़ाने के। यह संवाद बलूच युवकों के साथ शुरू किया जाना चाहिए। विश्लेषकों का यह भी मानना है कि चीन अब खुद के सुरक्षाकर्मी रखने का प्रस्ताव दे सकता है, जिसे पाकिस्तान ने दो साल पहले खारिज कर दिया था। शुरुआती तौर पर बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे बलूच अलगाववादी समूह प्रांतीय संसाधनों में अपना हिस्सा मांग रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने पूरी आजादी के लिए आंदोलन छेड़ दिया। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा पर स्थित बलूचिस्तान में उपेक्षा का इतिहास रहा है। वर्ष 1948 में पाकिस्तान ने भारत से अलग होते ही इस प्रांत पर कब्जा कर लिया था और अलगाववादी आंदोलन तभी से चला आ रहा है।

इसके अलावा, पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाएं काबुल में तालिबान सरकार बनने के बाद बढ़ गई हैं। इससे पाकिस्तान की यह उम्मीद भी खत्म हो गई है कि अफगानिस्तान में दोस्ताना सरकार बनने से आतंकवाद से निपटने में मदद मिलेगी। पाकिस्तान के सेंटर फॉर रिसर्च ऐंड सिक्योरिटी स्टडीज की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में पाकिस्तान में हुए 789 आतंकवादी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में 1,524 लोग मारे गए और 1,463 लोग घायल हुए।

मतदान का प्रतिशत बढ़ने से मजबूत होगा लोकतंत्र

पंकज चतुर्वेदी

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में 18 वीं लोकसभा को चुनने का उत्सव शुरू हो चुका है। यह एक चिंता की बात है कि लोकतंत्र का मूल आधार जो 'लोक' है, वह लगभग एक तिहाई वोट डालने ही नहीं आता। गणित के नजरिये से देखें तो देश की सत्ता संभालने वाला दल कभी भी बहुमत आबादी का प्रतिनिधित्व करता नहीं। जान कर अचंभा होगा कि अभी तक 10 बार केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी लेकिन किसी भी बार सत्ताधारी दल को पचास फीसदी वोट नहीं मिले।

2019 के चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या लगभग 91 करोड़ थी। मतदान हुआ 67.40 फीसदी। सबसे बड़े दल भाजपा को इसमें से मिले 37. 7 फीसदी वोट अर्थात कुल पंजीकृत मतदाताओं का महज 30 फीसदी। यह विचारणीय है कि क्या वोट न डालने वाले 33 फीसदी लोगों की निगाह में चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवार या मौजूदा चुनाव व्यवस्था नाकारा थी या फिर वे मतदान से सरकार चुनने की प्रक्रिया के प्रति उदासीन हैं। जिन परिणामों को राजनीतिक दल जनमत की आवाज कहते रहे हैं, वास्तव में वह बहुसंख्यक मतदाता की गैरभागीदारी का परिणाम होता है।

यदि पिछले आंकड़ों को देखें तो अभी तक छह बार मतदान 60 फीसदी के पार गया है जिसमें बीते दो चुनाव- 2014 में 66.44 और 2019 में 67.40 के अलावा लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ा गया 1977 का चुनाव है जिसमें 60.49 फीसदी वोट पड़े। फिर इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश की एकता-अखंडता पर खतरा दिखा और 64.1 प्रतिशत वोट देने निकले। उसके बाद बोफोर्स का मुद्दा उठा और मतदान प्रतिशत 61.96 हुआ. फिर 1998 में बदलाव के लिए वोट देने वाले 61.97 फीसदी रहे। 16वीं लोकसभा के चुनाव के वक्त भी आम लोग महंगाई, भ्रष्टाचार से हलाकांत थे सो मतदान का प्रतिशत तब तक का सर्वाधिक रहा।

मूल सवाल यह है कि आखिर इतने सारे लोग वोट क्यों नहीं डालते हैं। सर्वाधिक पढ़ा-लिखा, संपन्न और धनाढ्य, जागरूक और सक्रिय कहा जाने वाला देश की राजधानी का दक्षिणी इलाका हो या सटे हुए गाजियाबाद व गुरुग्राम के बहुमंजिला अपार्टमेंट, सबसे कम मतदान वहीं होता है। यहीं नहीं देश के सर्वाधिक साक्षर राज्य के 'देश के पहले पूर्ण साक्षर जिले' एर्नाकुलम में महज 46 फीसदी लोग ही मतदान केंद्र तक आए।

यह विचारणीय है कि पढ़े-लिखे लोगों को राजनीतिक दल और सरकार के अधिक मतदान के अभियान आकर्षित क्यों नहीं कर पाते। ऐसा तो नहीं कि यह वर्ग मानता है कि राजनीतिक दलों के लिए चुनाव महज सत्ता हड़पने का साधन व इसमें जनता साध्य मात्र है। पिछले कुछ दिनों के दौरान बड़े स्तर पर वैचारिक प्रतिबद्धता से परे हुए दल-बदल भी लोगों का मतदान के प्रति मन खट्टा करते हैं।

क्या जानते है कैसे हुई थी नवरात्रि की शुरुआत

जानें सबसे पहले किसने रखा था 9 दिनों का व्रत

नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है. शक्ति स्वरूपा माता दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए नवरात्रि के नौ दिन भक्त माता की उपासना करते हैं. मां दुर्गा को अम्बा, चंडी, काली, चंद्रिका, दुर्गा के अलावा महिषासुरमर्दिनी नाम से भी जाना जाता है. इसके साथ ही नवरात्रि के पहला दिन शैलपुत्री, दूसरा दिन ब्रह्मचारिणी, तीसरा दिन चंद्रघंटा, चौथा दिन कूष्मांडा, पांचवां दिन स्कंदमाता, छठा दिन कात्यायनी, सातवां दिन कालरात्रि, आठवां दिन महागौरी और नौवां दिन सिद्धिदात्री की पूजन की जाती है. नवरात्रि में माता की आराधना करने का विधान सदियों पूराना है. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि सबसे पहले नवरात्रि में 9 दिनों तक व्रत किसने रखा था. नवरात्रि की शुरुआत कैसे हुई थी और सबसे पहले किसने नवरात्रि के व्रत रखा था.

नवरात्रि की शुरुआत कैसे हुई थी?

मां दुर्गा स्वयं शक्ति स्वरूपा हैं. नवरात्रि में भक्त आध्यात्मिक बल, सुख-समृद्धि की कामना के साथ मां दुर्गा की उपासना करते हैं. पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता के नवरात्रि की शुरुआत त्रेतायुग में भगवान श्रीराम से हुई थी. श्रीराम ने रावण से युद्ध करने से पूर्व माता से आध्यात्मिक बल और विजय की कामना की थी. वाल्मीकि रामायण में बताया गया है कि भगवान श्रीराम ने किष्किंधा के पास ऋष्यमूक पर्वत पर चढ़ाई से पहले माता दुर्गा की उपासना की थी. शास्त्रों के अनुसार नौ दिनों तक माता की उपासना करने का सुझाव ब्रह्मा जी ने विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम को दिया था.

भगवान श्री राम को कैसे मिला माता का आशीर्वाद

बह्मा जी ने चंडी पाठ के साथ ही राम जी को यह भी बताया कि, पूजा सफल तभी होगी जब चंडी पूजन और हवन के बाद 108 नील कमल भी अर्पित किये जाएंगे. ये नील कमल अतिदुर्लभ माने जाते हैं. प्रभु श्री राम ने अपनी सेना की मदद से ये 108 नील कमल जुटाने में सफल हुए, लेकिन जब रावण को ये बात पता लगी तो उसने अपनी मायावी शक्ति से एक नील कमल गायब कर दिया. चंडी पूजन के अंत में भगवान राम ने जब कमल के पुष्प चढ़ाए तो एक कमल कम था. ये देखकर प्रभु श्रीराम चिंतित हो गए.

जब प्रभु श्रीराम ने माता को आंख अर्पित करने का लिया फैसला

फिर भगवान श्रीराम ने कमल की जगह अपनी एक आंख माता को अर्पित करने का फैसला लिया. अपने नयन अर्पित करने के लिए जैसे ही उन्होंने तीर उठाया तभी माता चंडी प्रकट हुईं. माता चंडी उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर विजय का आशीर्वाद दिया. प्रतिपदा से लेकर नवमी तक माता चंडी को प्रसन्न करने के लिए श्री राम ने अन्न जल भी ग्रहण नहीं किए थे. नौ दिनों तक माता दुर्गा के स्वरूप चंडी देवी की पूजा करने के बाद भगवान राम को रावण पर विजय प्राप्त हुई. तभी से नवरात्रि की शुरुआत हुई, और भगवान राम नवरात्रि के 9 दिनों तक व्रत रखने वाले पहले राजा और पहले व्यक्ति थे.

[भविष्यफल]

मेष
आज आप का उत्साह बढ़ेगा। आप अपने आपको भाग्यशाली अनुभव करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नए मौके मिलेंगे।

वृष
आपके लिए आज का दिन खुशहाल रहेगा। आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। छात्रों की रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मिथुन
आपके लिए सकारात्मक बदलाव लाने वाला दिन है। प्राइवेट सेक्टर में जॉब करने वाले लोगों को कोई अच्छा प्रोजेक्ट मिल सकता है।

कर्क
आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपको किसी बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। आपको आध्यात्मिक कार्यों में आनंद आएगा।

सिंह
आपके लिए सफलता दिलाने वाला दिन है। आपके सभी काम बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। नौकरी में बॉस का सहयोग मिलेगा। जिससे आपको काफी लाभ होने की संभावना है।

तुला
आपके लिए बदलाव लाने वाला दिन रहेगा। आज आपकी किसी अनुभवी व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जिससे आपको अच्छा सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक
आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक सुख शांति बनी रहेगी। कार्य क्षेत्र में आपको आज ज्यादा काम मिल सकता है।

धनु
आज के दिन आपकी पॉजिटिविटी बनी रहेगी। आज कार्य क्षेत्र में काम का दबाव रहेगा। आप समय पर कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

मकर
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपको नई नौकरी के लिए कोई ऑफर आ सकता है। पारिवारजनों के आपसी तालमेल बनाकर रखें।

कुंभ
आपका दिन अच्छा बीतेगा। आप अच्छी रणनीति के साथ कार्यक्षेत्र का काम करेंगे। सहकर्मियों के साथ आपके तालमेल अच्छे रहेंगे।

मीन
आज आपका दिन लकी रहेगा। किसी सिलसिले में विदेश यात्रा का मौका मिल सकता है। आपका मन अध्यात्म में लगेगा।

आरोग्य और स्वच्छता की देवी हैं शीतला माता, पढ़ें पौराणिक व्रत कथा

शीतला माता को भगवान शिव की अर्धांगिनी शक्ति का ही स्वरूप माना जाता है. शीतला माता को स्वच्छता एवं आरोग्य की देवी माना गया है. शीतला देवी की पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि से शुरू होती है, लेकिन कुछ स्थानों पर शीतला माता की पूजा होली के बाद पड़ने वाले पहले सोमवार अथवा गुरुवार के दिन ही की जाती है. भगवती शीतला की पूजा का विधान भी विशिष्ट होता है. शीतलाष्टमी के एक दिन पहले उन्हें भोग लगाने के लिए बासी खाने का भोग यानि बसौड़ा तैयार कर लिया जाता है. अष्टमी के दिन बासी पदार्थ ही देवी को नैवेद्य के रूप में समर्पित किया जाता है. शीतला अष्टमी का व्रत और पूजा करने से साधक को आरोग्य होने का वरदान प्राप्त होता है. आइए पढ़ते हैं शीतला अष्टमी की व्रत कथाज

शीतला अष्टमी व्रत कथा-1

पौराणिक कथा के अनुसार, एक दिन वृद्ध महिला और उसकी दो बहुओं ने शीतला माता का व्रत रखा था. दोनों बहुओं ने व्रत के नियम अनुसार, एक दिन पहले ही माता शीतला के भोग के लिए भोजन बनाकर तैयार कर लिया. लेकिन दोनों बहुओं के बच्चे छोटे थे, इसलिए उन्होंने सोचा कि कहीं बासी खाना उनके बच्चों को नुकसान न कर जाए, इसलिए ताजा खाना बना दिया. जब वह दोनों शीतला माता की पूजा कर घर लौटीं, तो दोनों बच्चों की मौत हो चुकी थी. दोनों बच्चों को मृत अवस्था में देखकर दोनों बहुएं जोर-जोर से विलाप करने लगी. घटना के बाद उनकी सास ने बताया कि यह शीतला माता को नाराज करने का परिणाम है. इसपर उनकी सास ने कहा कि जब तक यह बच्चे जीवित न हो जाएं, तुम दोनों घर वापस मत आना.

माता शीतला का मिला आशीर्वाद

सास के कहने पर दोनों बहुएं अपने मृत बच्चों को लेकर इधर-उधर भटकने लगीं, तभी उन्हें एक पेड़ के नीचे दो बहनें बैठी मिलीं, जिनका नाम ओरी और शीतला था. वह दोनों बहनें गंदगी और जूं के कारण बहुत परेशान थीं. दोनों बहुओं ने उनकी सहायता करने के लिए दोनों बहनों के सिर से जुएं निकालीं. जिससे शीतला और ओरी ने प्रसन्न होकर दोनों को पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया. इसके बाद दोनों बहुओं ने अपनी सारी व्यथा उन दोनों बहनों को बताई.

दोनों बहुएं की बात सुनने के बाद शीतला माता अपने स्वरूप में प्रकट हुईं. उन्होंने बताया कि ये सब शीतला अष्टमी के दिन ताजा खाना बनाने के कारण हुआ है. दोनों बहुओं ने माता शीतला से क्षमा याचना की और आगे से ऐसा न करने के लिए कहा. माता शीतला ने प्रसन्न होकर दोनों बच्चों को पुनः जीवित कर दिया, इसके बाद दोनों बहुएं बड़ी प्रसन्नता के साथ घर लौटी और तभी से विधि-विधान पूर्वक शीतला मां की पूजा और व्रत करने लगीं.

शीतला अष्टमी व्रत कथा-2

पौराणिक कथा के अनुसार, एक राजा था. राजा का एक ही बेटा था. उसे चेचक (शीतला) निकला था. उसी राज्य के एक गरीब परिवार के बेटे को भी शीतला निकली हुई थी. वह परिवार मां भगवती की पूजा करता था. गरीब परिवार ने शीतला के समय सभी नियमों का पालन किया और सबका ध्यान रखा. दूसरी ओर राजा के बेटे का रोग ठीक नहीं हो रहा था. राजा ने शतचंडी का पाठ शुरू कराया. रोज गरम स्वादिष्ट भोजन बनते थे. भुने-तले हुए भोजन और मांस भी बनाते थे. राजा का बेटा जो भी जिद करता था, वह पूरी कर दी जाती थी.

राजा के बेटे के शरीर में फोड़े हो गए

राजा के बेटे के शरीर में फोड़े हो गए. उसमें खुजली और जलन होने लगी. जो उपाय किया जाता, उसका कोई असर नहीं होता था. शीतला माता का प्रकोप और बढ़ गया. इन सबसे राजा परेशान हो गया. वह सोचने लगा कि आखिर इतने उपाय करने के बाद भी शीतला का प्रकोप शांत क्यों नहीं हो रहा है. राजा के गुप्तचरों ने उसे बताया कि राज्य में एक गरीब परिवार के बेटे को भी शीतला निकली थीं, लेकिन वह कुछ दिनों में ही स्वस्थ हो गया था.

राजा को स्वप्न में शीतला माता ने दिया दर्शन

एक दिन राजा को स्वप्न में शीतला माता ने दर्शन दिया. राजा से कहा कि वह उसकी सेवा और पूजा से प्रसन्न हैं, लेकिन तुमने शीतला के नियमों को तोड़ा है, इस वजह से शीतला का प्रकोप शांत नहीं हो रहा है, इसके लिए तुम खाने में नमक बंद कर दो, बिना छौंक के सब्जी बनाओ, खाने में तेल का प्रयोग न करो और सभी लोग ठंडा भोजन करें. बेटे के पास किसी को मत जाने दो. तब जाकर जल्द ही तुम्हारा बेटा स्वस्थ हो जाएगा. अगले दिन से राजा शीतला माता के बताए गए नियमों का पालन करने लगा. देखते ही देखते कुछ ही दिनों में राजा का बेटा स्वस्थ हो गया.

इस बार घोड़े पर सवार होकर आएंगी शेरावाली, पड़ेगा ये असर

अप्रैल माह में चैत्र नवरात्रि मनाया जाएगा. इस बार चैत्र नवरात्रि की शुरूआत मंगलवार 9 अप्रैल 2024 से होगी, और 17 अप्रैल को राम नवमी के दिन इसका समापन होगा. नवरात्रि के मौके पर 9 दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-उपासना की जाती है. नवरात्रि के अवसर पर मां शेरावाली का आगमन विशेष वाहन पर होता है. इस बार माता रानी का आगमन घोड़े पर हो रहा है. आइए जानें क्या है माता कि इस सवारी का विशेष महत्व

शेरावाली का घोड़े पर आगमन क्या दर्शाता है

जब भी नवरात्रि की शुरूआत मंगलवार से होता है तो देवी घोड़े पर सवार होकर आती हैं. इस साल भी चैत्र नवरात्रि की शुरूआत मंगलावर 9 अप्रैल से हो रही है, इसलिए इस बार मां शेरावाली की सवारी घोड़ा होगा. बता दें अगर मां शेरावाली घोड़े पर आती है तो इसे शुभ नहीं माना जाता है. इससे सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं. मां दुर्गा के घोड़े की सवारी दुर्घटनाएं, प्राकृतिक आपदा, झगड़े और तनाव का संकेत देती है. भक्तजनों के जीवन में भी ऐसे में बदलाव देखने को मिलते हैं, उनके जीवन के संकट दूर होते हैं.

नवरात्रि के साथ हिंदू नवसंवत्सर की शुरूआत

9 अप्रैल से नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही हिंदू नवसंवत्सर 2081 की भी शुरुआत होगी, नवसंवत्सर कैसा रहने वाला है आइए जानते हैं.

ग्रहण काल में होगा मां दुर्गा का आगमन

नवरात्रि के नौ दिन इनकी होगी पूजा
प्रथम दिन यानी मंगलवार के दिन होगी मां शैलपुत्री की पूजा
दूसरा दिन यानी बुधवार के दिन होगी माता ब्रह्मचारिणी की पूजा
तीसरा दिन यानी बृहस्पतिवार के दिन होगी माता चंद्रघंटा की पूजा
चौथा दिन यानी शुक्रवार के दिन होगी मां कूष्मांडा की पूजा
पांचवा दिन यानी शनिवार के दिन होगी माता स्कंदमाता की पूजा
छठा दिन यानी रविवार के दिन होगी माता कात्यायनी की पूजा
सातवां दिन यानी सोमवार के दिन होगी माता कालरात्रि की

भूलकर भी न खरीदें चैत्र नवरात्रि में ये चीजें, वरना हो सकता है भारी नुकसान

सनातन धर्म में नवरात्रि पर्व को अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से लेकर नवमी तिथि तक चैत्र नवरात्रि का त्योहार विधि-विधान से मनाया जाता है। इस साल चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल 2024 को शुरु हो रही है और इसका समापन 17 अप्रैल 2024 को होगा। ऐसे में 09 अप्रैल को घटस्थापना कर मां दुर्गा की विशेष पूजा कर सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति मां दुर्गा के नौ दिनों तक पूजा-पाठ करता है, उसके सारे कार्य सिद्ध होते और सभी कार्यों में भी सफलता मिल सकती है। लेकिन नवरात्रि के दौरान क्या नहीं खरीदना चाहिए। इसके बारे में जानना काफी जरुरी है, आइए आपको बताते हैं।

काले वस्त्र न खरीदें

चैत्र नवरात्रि के दैरान भूलकर भी काले वस्त्र नहीं खरीदना चाहिए। क्योंकि इससे व्यक्ति को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं इन नौ दिनों में काले वस्त्र पहनने से बचना चाहिए। अगर आप वर्क प्लेस पर काले कपड़े पहनकर जाते हैं तो उस व्यक्ति को कभी किसी भी काम में सफलता नहीं मिल सकती है और सौभाग्य में भी कमी आने लग जाती है। इसलिए काले वस्त्र खरीदने और पहनने से बचें।

लोहे का सामान न खरीदें

चैत्र नवरात्रि के दौरान लोहे से संबंधित किसी भी वस्तु को खरीदना नहीं चाहिए। इससे व्यक्ति को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है और कार्य में रुकावट आने लगती है।

चावल न खरीदें

नवरात्रि के नौ दिनों में कभी भी चावल न खरीदें। इसके अलावा अगर आप चावल खरीद रहे हैं तो ननरात्रि से पहले ही खरीद लें। इससे किए गए सारे पुण्य फल शून्य हो सकते हैं और शुभ फलों की प्राप्ति नहीं होती है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान न खरीदें

चैत्र नवरात्रि के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामान न खरीदें, इससे कुंडली में स्थित ग्रहों की स्थिति पर अशुभ प्रभाव पड़ सकता है और व्यक्ति को कभी सफलता नहीं मिलती है। अगर आप इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने की सोच रहे हैं, तो नवरात्रि के समाप्त होने के बाद ही खरीदें। इससे ग्रह दोष से भी छुटकारा मिल सकता है।

चैत्र नवरात्रि से लेकर हनुमान जयंती तक

यहां देखें अप्रैल माह में पड़ने वाले व्रत-त्योहारों की सूची

देखते ही देखते हम साल 2024 के चौथे महीने यानी की अप्रैल महीने में प्रवेश कर चुके हैं। अप्रैल का महीना कई मायनों में खास होता है। क्योंकि इस महीने से न सिर्फ मौसम में बदलाव होता है, बल्कि कई त्योहार-पर्व भी आते हैं। इस साल भी अप्रैल महीने में कई तीज-त्योहार आ रहे हैं। अप्रैल माह का सबसे बड़ा पर्व चैत्र नवरात्रि है।

नवरात्रि के अलावा भी इस महीने दर्जन भर त्योहार आ रहे हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अप्रैल माह में पड़ने वाले त्योहारों के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।

अप्रैल 2024 के तीज-त्योहार

1 अप्रैल - शीतला सप्तमी, सोमवार
2 अप्रैल-काली अष्टमी, मंगलवार
5 अप्रैल- पापमोचनी एकादशी, शुक्रवार
6 अप्रैल- प्रदोष व्रत, शनिवार
7 अप्रैल- रंग तेरस, रविवार
8 अप्रैल- अमावस्या, सोमवार
9 अप्रैल- गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रि का आरंभ, मंगलवार
10 अप्रैल- झूलेलाल जयंती, बुधवार
11 अप्रैल- गौरी पूजा, गणगौर पूजा, बृहस्पतिवार
12 अप्रैल- रोहिणी व्रत, शुक्रवार
13 अप्रैल- बैसाखी, शनिवार
14 अप्रैल- यमुना छठ, रविवार
16 अप्रैल- अशोक अष्टमी, मंगलवार
17 अप्रैल- राम नवमी, बुधवार
19 अप्रैल- कामदा एकादशी, शुक्रवार
21 अप्रैल- महावीर जयंती, रविवार
23 अप्रैल- हनुमान जयंती, चैत्र पूर्णिमा, मंगलवार
27 अप्रैल- संकष्टी गणेश चतुर्थी, बुधवार

शीतला सप्तमी

मार्च महीने के पहले दिन यानी की 01 अप्रैल 2024 को शीतला सप्तमी का पर्व मनाया जा रहा है। इस दिन मां शीतला की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक मां शीतला धरती पर फैलने वाली बीमारियों और संक्रमणों का नाश करती हैं। मां शीतला की पूजा कर महिलाएं पुत्र और पति की निरोगी काया की कामना करती हैं। मां शीतला की पूजा कर गर्मी और परिवार को हर तरह के रोग से बचाने के लिए प्रार्थना की जाती है। कुछ लोग इस दिन अपने बच्चों का मुंडन भी करवाते हैं।

शुभ मुहूर्त- इस बार 31 मार्च 2024 की रात 09:40 मिनट पर सप्तमी तिथि शुरू हो रही है। वहीं 01 अप्रैल 2024 को 09:10 मिनट पर इस तिथि का समापन हो जाएगा।

7 अप्रैल- रंग तेरस

इस साल 07 अप्रैल को रंग तेरस का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के श्रीनाथ रूप की पूजा-अर्चना की जाती है। किसानों को धन्यवाद देने के उद्देश्य से यह मनाया जाता है। बता दें कि उदयपुर में यह पर्व बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। रंग तेरस के मौके पर राजस्थान में लोकल लोगों के द्वारा फेमस नृत्य घैर प्रस्तुत किया जाता है।

9 अप्रैल- गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रि का आरंभ

हिंदूओं में चैत्र नवरात्रि का पर्व बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। वहीं इस बार 09 अप्रैल को घटस्थापना की जाएगी। नवरात्रि का यह पर्व 17 अप्रैल 2024 तक मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के मुताबिक चैत्र नवरात्रि पर मां दुर्गा का अवतरण होता है।

9 अप्रैल- घटस्थापना और मां शैलपुत्री की पूजा
10 अप्रैल- मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
11 अप्रैल- मां चंद्रघंटा की पूजा
12 अप्रैल- मां कुष्मांडा की पूजा
13 अप्रैल- मां स्कंदमाता की पूजा
14 अप्रैल- मां कात?यायनी की पूजा
15 अप्रैल- मां कालरात्रि की पूजा
16 अप्रैल- मां महागौरी की पूजा
17 अप्रैल- मां सिद्धिदात्री दुर्गा महा नवमी पूजा
18 अप्रैल- दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन

शुभ मुहूर्त- बता दें कि 09 तारीख को दोपहर 12:03 मिनट पर शुरू होकर दोपहर 12:54 तक रहेगा।

11 अप्रैल- गौरी पूजा और गणगौर पूजा

गणगौर माता की पूजा का मारवाड़ियों में विशेष महत्व माना जाता है। इस बार 11 अप्रैल 2024 को गणगौर का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन महिलाएं सौभाग्य की प्राप्ति के लिए व्रत करती हैं। वहीं कुंवारी कन्याएं मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए यह पूजा और व्रत करती हैं। गणगौर पूजा के दिन मां गणगौर का श्रृंगार करना चाहिए। फिर उन्हें मिठाई और फल-फूल अर्पित करें। इस दिन गेरुए रंग का वस्त्र पहनना चाहिए।

शुभ मुहूर्त- पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06:29 मिनट से शुरू होकर 08:24 मिनट तक रहेगा।

राम नवमी, बुधवार

बता दें कि 17 अप्रैल 2024 को रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन को प्रभु श्रीराम के जन्मदिन के तौर पर मनाया जाता है। यह नवरात्रि का नौंवा दिन होता है। इस दिन कन्याओं को घर में भोजन कराने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। रामनवमी के शुभ मौके पर घर में प्रभु राम की प्रतिमा स्थापित कर सकते हैं।

शुभ मुहूर्त- इस दिन पूजा का मुहूर्त सुबह 11:03 बजे शुरू होकर दोपहर 1:38 बजे तक रहेगा।

हनुमान जयंती, चैत्र पूर्णिमा, मंगलवार

इस बार 23 अप्रैल 2024 को हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन हनुमान जी का जन्म उत्सव मनाया जाता है। इस दिन हनुमान जी की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को उनका आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। इस दिन आप सुंदरकांड का भी पाठ कर सकते हैं। हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी को लाल सिंदूर और फूलों का चोला चढ़ाना शुभ माना जाता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कांग्रेस ने राजनीतिक पार्टी बने रहने का नैतिक अधिकार गंवाया

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कहा कि अनुच्छेद 370 को समाप्त करने को लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने राजनीतिक पार्टी बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने को लेकर खरगे द्वारा भाजपा पर तंज कसे जाने के एक दिन बाद केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने कांग्रेस पर हमले तेज कर दिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजस्थान में कहा कि अनुच्छेद 370 हटने से क्या फर्क पड़ता है? यदि कोई पार्टी कहती है कि कश्मीर के एकीकरण से अन्य राज्यों में उसे क्या फर्क पड़ता है तो यह स्पष्ट है कि देश की एकता और अखंडता के लिए हर किसी के द्वारा ली गई शपथ के प्रति आपको (कांग्रेस को) कोई सम्मान नहीं है।

मोदी को चार जून के बाद लंबी छुट्टी पर जाना पड़ेगाः कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पार्टी की गारंटियों से घबराए हुए हैं और अपनी कुर्सी बचाने की बौखलाहट में बेबुनियाद बातें कर रहे हैं। बिहार के नवादा जिले में रविवार को एक चुनावी सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उसके चुनाव घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप है और उसके नेताओं के बयानों में राष्ट्रीय अखंडता व सनातन धर्म के प्रति शत्रुता दिखाई देती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, भारत के लोग अब प्रधानमंत्री के झूठ से थक चुके हैं। चार जून के बाद उनको लंबी छुट्टी पर जाना पड़ेगा। यही भारत के लोगों की गारंटी है। लोकसभा चुनाव की मतगणना चार जून को होगी। रमेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की पांच न्याय पचीस गारंटी 10 साल के अन्याय-काल के बाद भारत के लोगों में एक नयी उम्मीद जगा रही है।

कश्मीर की तीन सीटों पर पीडीपी ने की उम्मीदवारों की घोषणा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने रविवार को लोकसभा चुनाव के लिए कश्मीर में तीन सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती अनंतनाग निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने वाली हैं। मुफ़्ती पहले भी अनंतनाग से सांसद रह चुकी हैं। बता दें, जम्मू-कश्मीर के एक और पूर्व मुख्यमंत्री ग़ुलाम नबी आज़ाद भी अनंतनाग सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा श्रीनगर सीट से पार्टी के युवा नेता मोहम्मद वहीद पारा और बारामूला से बयाज अहमद भट्ट चुनाव लड़ने वाले हैं। महबूबा मुफ्ती और पीडीपी संसदीय बोर्ड के प्रमुख सरताज मदनी ने संवाददाता सम्मेलन में पार्टी उम्मीदवारों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पीडीपी जम्मू क्षेत्र की दो सीटों उधमपुर और जम्मू में कांग्रेस का समर्थन करेगी। महबूबा मुफ्ती ने कहा, हम यहां 3 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर रहे हैं।

मोदी की सनातन विरोधी टिप्पणी पर भड़के तेजस्वी यादव

पटना। विपक्षी दलों पर ''सनातन धर्म'' के खिलाफ होने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आरोपों पर सख्त एतराज जताते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता अपने आपको क्या भगवान समझते हैं, उनका विरोध करना क्या भगवान का विरोध करना है। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि जनता के असंतोष और लोकसभा चुनाव पर इसके संभावित प्रभाव ने प्रधानमंत्री को ''डरा'' दिया है, और यही कारण है कि जीत का दावा करने के बावजूद वह गहन प्रचार कर रहे हैं।

बिहार के नवादा जिले में एक रैली में प्रधानमंत्री ने कहा था कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल ''सनातन विरोधी'' हैं, इस बारे में पूछे जाने पर तेजस्वी ने कहा, ''यह एक प्रधानमंत्री के लिए अशोभनीय है।'' यादव ने कहा, ''यह सर्वविदित है कि मेरे घर के परिसर में एक छोटा मंदिर है, जहां मेरे परिवार के सभी सदस्य पूजा

राहुल को सफलता नहीं मिलने पर ब्रेक लेना सही : प्रशांत

नईदिल्ली। जाने-माने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सुझाव दिया है कि यदि कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते हैं तो राहुल गांधी को अपने कदम पीछे खींचने पर विचार करना चाहिए। किशोर ने एक बातचीत में कहा कि गांधी, सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए, अपनी पार्टी चला रहे हैं और पिछले 10 वर्ष में अपेक्षित परिणाम नहीं देने के बावजूद वह न तो रास्ते से हट रहे हैं और न ही किसी और को आगे आने दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे अनुसार यह भी अलोकतांत्रिक है।'' उन्होंने विपक्षी पार्टी को फिर से मजबूत करने के लिए एक योजना तैयार की थी लेकिन उनकी रणनीति के क्रियान्वयन पर उनके और कांग्रेस नेतृत्व के बीच मतभेदों के चलते वह अलग हो गए थे। उन्होंने कहा, ''जब आप एक ही काम पिछले 10 वर्ष से कर रहे हैं और सफलता नहीं मिल रही है तो एक ब्रेक लेने में कोई बुराई नहीं है... आपको चाहिए कि पांच साल तक यह जिम्मेदारी किसी और को सौंप दें। आपकी मां ने ऐसा किया है।''

संदेशखाली का मुद्दा उठाकर प्रधानमंत्री ने ममता सरकार को लिया आड़े हाथों

टीएमसी कानून और संविधान को कुचलने वाली पार्टीः मोदी

कोलकाता। बिहार के नवादा में जनसभा को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी पहुंचे। एक बड़ी फूल माला के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने अपना संबोधन दिया। जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, %कुछ दिन पहले ही जलपाईगुड़ी के अनेक क्षेत्रों में तूफान के कारण जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए मेरा हर पल, हर क्षण देश के लिए है इसलिए 24/7 मैं 2047 के लिए कार्य कर रहा हूं।

पीएम ने कहा, हमारी सरकार की योजनाओं ने गरीब के जीवन को आसान बनाया है। हमने गरीब का स्वाभिमान लौटाया है, उसका गौरव बढ़ाया है। मोदी ने 10 साल में जो विकास कार्य किया है, वो सिर्फ ट्रेलर है। अभी हमें देश को बहुत आगे ले जाना है, हमें भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाना है। उन्होंने आगे कहा, देश के हर गरीब का सशक्तिकरण बीजेपी सरकार की प्राथमिकता है। लेकिन गरीब कल्याण की मोदी की योजनाओं पर यहां की टीएमसी सरकार ब्रेक लगा देती है। टीएमसी सरकार ने चाय बगानों को, टी इंडस्ट्री को अपने हाल पर छोड़ दिया है। इसलिए इस चुनाव में टीएमसी को सबक सिखाना जरूरी है।

पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, टीएमसी चाहती है कि उसके भ्रष्टाचारी नेताओं को आतंक का खुला लाइसेंस मिले, इसलिए जब केंद्र की जांच एजेंसियां आती है तो टीएमसी उनपर हमले करती है, और लोगों से करवाती है। टीएमसी कानून और संविधान को कुचलने वाली पार्टी है। टीएमसी, वामदल और कांग्रेस ने एक-दूसरे के भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन बनाया है। मैं कहता हूं भ्रष्टाचार मिटाओ, वे कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। ये चाहे जो बोलें, मैं आपको गारंटी देता हूं कि 4 जून के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ और तेज कार्रवाई होगी।

संदेशखाली का मुद्दा उठाते हुए पीएम मोदी ने जनता से पूछा, संदेशखाली में क्या हुआ? ये पूरा देश जान चुका है। वहां माताओं-बहनों के साथ कितना बड़ा अत्याचार

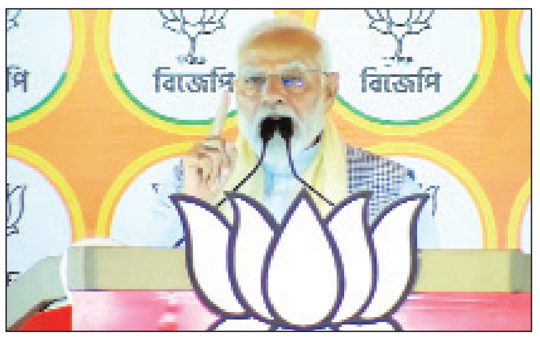

हुआ है, ये पूरे देश ने देखा है। हालात ये है कि हर मामले में यहां कोर्ट को दखल देना पड़ता है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज जब भाजपा की मजबूत सरकार ने आर्टिकल-370 की दीवार को हटा दिया, तो कांग्रेस को दर्द हो रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि मोदी देश के दूसरे राज्यों में कश्मीर की बात क्यों करता है.... दूसरे राज्यों का कश्मीर से क्या लेना-देना। कांग्रेस के लिए कश्मीर कुछ नहीं, लेकिन 140 करोड़ देशवासियों के लिए कश्मीर, मां भारती के मस्तक समान है। कश्मीर भारत का गौरव है।

पुरुलिया में ममता बनर्जी ने भाजपा पर लगाया गंभीर आरोप, भूपतिनगर घटना का भी किया जिक्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को पुरुलिया में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए गंभीर आरोप लगाए। बंगाल सीएम ने आरोप लगाया कि बीजेपी टीएमसी नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी में शामिल करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए बीजेपी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। पुरुलिया में ममता बनर्जी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, रैलियां और बैठकें करें लेकिन दंगा न करें। ये (बीजेपी) ही दंगा करेंगे। 19 अप्रैल को वोटिंग है और ये 17 अप्रैल को दंगा करेंगे। भगवान राम आपको दंगा करने के लिए नहीं कहते हैं लेकिन ये लोग दंगा करेंगे और दंगा करके एनआईए को राज्य में प्रवेश कराएंगे। ममता बनर्जी ने कहा कि पुरुलिया में हर घर पानी यह मोदी का गारंटी नहीं, बंगाल सरकार की गारंटी है। एनआईए रात के अंधेरे में घर पर घुसा दिया है! रामनवमी आ रहा है एक चॉकलेट बम फूटने से भी एनआईए को घुसा देगा। भूपतिनगर में शनिवार की घटना का जिक्र करते हुए कहा बनर्जी ने कहा, टीएमसी नेताओं को परेशान करने के लिए एनआईए, ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वे बिना पूर्व सूचना के छापेमारी कर रहे हैं और घरों में घुस रहे हैं। अगर रात के अंधेरे में जब सभी लोग सो रहे हों तो कोई उनके घर में घुस जाए तो महिलाएं क्या करेंगी? बता दें, शनिवार को पश्चिम बंगाल के भूपतिनगर इलाके में एनआई की टीम पर लोगों ने हमला कर दिया। कुछ दिन पहले भूपतिनगर में धमाका हुआ था। जिसके आरोपों को पकड़ने के लिए एनआईए की टीम यहां पहुंची थी। लेकिन एनआईए की टीम को 100-150 लोगों ने घेर लिया और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। एनआईए की टीम के गाड़ियों के शीशे टूटे हैं। आरोप है कि एनआईए की टीम की गाड़ियों पर ईंट से हमला किया गया और कांच तोड़े गए। लोगों से किसी के उकसावे में न आने की अपील करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा रामनवमी के दौरान सांप्रदायिक भावनाएं भड़का सकती है। मुख्यमंत्री ने केंद्र की भाजपा-नीत सरकार पर पश्चिम बंगाल को मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजनाओं के लिए धन से वंचित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों को आवास बनाने के लिए 1.2 लाख रुपये देगी। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग अभी हमें पैसे देने की अनुमति नहीं देगा। चुनाव के बाद हम गरीबों के घर बनाएंगे।

पूरा विश्वास है कि हिमाचल की जनता हमारा समर्थन करेगी : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में एक साथ होने वाले लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को विश्वास जताया कि राज्य के लोग उनकी पार्टी को समर्थन देंगे और सत्य की जीत होगी। प्रियंका ने कहा कि एक तरफ सत्ता के लिए धनबल और एजेंसियों के माध्यम से लोकतंत्र को खत्म करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीति है, जबकि दूसरी ओर सत्य, साहस और धैर्य से जनता के लिए अथक परिश्रम करने का कांग्रेस का संकल्प है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के सभी नेताओं से मिली। उनकी एकजुटता, मेहनत एवं मजबूती से चुनाव लड़ने के जज्बे और जनता के प्रति उनके समर्पण पर मुझे गर्व है।'' प्रियंका ने कहा, ''एक तरफ भाजपा का भय, लालच और झूठ का साम्राज्य है। धनबल और एजेंसियों के माध्यम से सत्ता के लिए लोकतंत्र को खत्म करने वाली राजनीति है। दूसरी तरफ, कांग्रेस के पास सत्य, साहस और धैर्य से जनता के लिए अथक परिश्रम करने का संकल्प है।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि जनता हमारा साथ देगी और जीत सत्य की ही होगी। ' हिमाचल प्रदेश में एक जून को लोकसभा चुनाव के साथ छह विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव होंगे। बागी कांग्रेस विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव कराने जरूरी हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश में चार लोकसभा सीट हमीरपुर, मंडी, शिमला और कांगड़ा हैं। भाजपा ने 2019 में सभी चार सीट पर जीत हासिल की थी। बाद में, पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह ने तत्कालीन सांसद राम स्वरूप शर्मा के निधन के बाद 2021 में हुए उपचुनाव में मंडी सीट भाजपा से छीन ली थी। कांग्रेस सूत्रों ने पहले कहा था कि प्रियंका गांधी ने फरवरी में हिमाचल प्रदेश में ''जनादेश की रक्षा करने में

महत्वपूर्ण'' भूमिका निभाई थी और वह ''भाजपा के ऑपरेशन लोटस'' को विफल करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में लगातार रहीं। प्रियंका गांधी 2022 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रचार अभियान का चेहरा थीं।

राहुल ने लोगों से कांग्रेस के घोषणापत्र पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करने का आग्रह किया

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए उनकी पार्टी के घोषणापत्र को कई लोगों ने ''क्रांतिकारी'' बताया है और उन्होंने लोगों से घोषणापत्र को लेकर सोशल मीडिया के जरिये अपनी प्रतिक्रिया साझा करने का आग्रह किया। गांधी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने यह अपील की। राहुल गांधी ने सुबह करीब 10 बजे वीडियो साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, ''मैंने यह वीडियो कल रात 12:30 बजे बनाया था, लेकिन मेरी टीम ने सोचा कि देर रात होने की वजह से इसे अभी साझा नहीं किया जाए। इसलिए यह वीडियो मैं अब साझा कर रहा हूं क्योंकि संदेश अभी भी प्रासंगिक है।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का घोषणापत्र हर भारतीय की आवाज है, अपने विचार सोशल मीडिया पर साझा करें।'' गांधी ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना में रैली से वापस आने के बाद यह वीडियो बनाया है।

खेल
प्रमुख समाचार

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रॉयल्स की शानदार जीत

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 6 विकेट से मात दे दी। बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली कोहली के शतक की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। जिसके जवाब में रॉयल्स ने जोस बटलर की शतकीय पारी की बदौलत 5 गेंद शेष रहते हुए मैच अपने नाम कर लिया। रॉयल्स की तरफ से जोस बटलर ने 100 रन बनाए और नाबाद रहे। वहीं आरसीबी की ओर से रीस टॉप्ली ने सबसे ज्यादा दो विकेट झटके। इसके साथ ही आईपीएल 2024 में आरसीबी की ये लगातार तीसरी हार है, जबकि रॉयल्स की लगातार चौथी जीत है। टेबल में आरसीबी आठवें तो रॉयल्स पहले नंबर पर काबिज हो गई है।

184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को पहले ओवर में झटका लगा है। सलामी बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले ही डक आउट हो गए। इसके बाद पावरप्ले में राजस्थान ने एक विकेट खोकर 54ल रन बनाए। इसके बाद संजू सैमसन और जोस बटलर के बीच दूसरे विकेट के लिए 148 रन की साझेदारी हुई। संजू सैमसन 42 गेंद में 69 रन बनाकर आउट हुए। रियान पराग ने 4 ओर ध्रुव जुरेल ने दो रन बनाए। बटलर ने 58 गेंद में 9 चौके और 4 छक्के की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। हेटमायर ने नाबाद 10 रन बनाए। वहीं आरसीबी की बात करें तो, पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली के शतक की बदौलत 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 183 रन बनाए। विराट कोहली ने नाबाद 113 रन बनाए हैं। राजस्थान रॉयल्स की ओर से युजवेंद्र चहल ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। इस दौरान कप्तान फाफ और कोहली ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। आरसीबी ने पावरप्ले में 53 रन बनाए।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

एचडीएफसी, एलआईसी की मार्केट वैल्यू में हुआ इजाफा

नईदिल्ली। पिछले हफ्ते मार्केट में टॉप 10 कंपनियों की कुल पूंजी में बढ़ोतरी हुई, जबकि इनमें से चार कंपनियों की कुल पूंजी 1,71,309.28 करोड़ रुपए हो गई है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि वो कौन सी कंपनी हैं, जिन्होंने परफॉर्मेंस अपनी सीमा से बाहर जाकर ऐसा किया है। आइए बताते हैं कि टॉप 10 कंपनियों में कौन-कौन है। इस तरह पहले एचडीएफसी बैंक, एलआईसी (भारतीय जीवन बीमा निगम) का बाजार में पॉजिटिव ट्रेंड रहा और इन्होंने जमकर मुनाफा बनाया। इसके विपरीत, शीर्ष टॉप 10 में से छह कंपनियों का संयुक्त रूप से 78,127.48 करोड़ रुपए की स्पीड धीमे रही और उन्हें नुकसान हुआ। इसमें मुख्य तौर पर रिलायंस इंडस्ट्री को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। इस अवधि के दौरान, बीएसई बेंचमार्क 596.87 अंक या 0.81% बढ़कर 4 अप्रैल को 74,501.73 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

खत्म नहीं हो रही विस्तारा की मुश्किल

नई दिल्ली। कुछ दिनों से विस्तारा एयरलाइंस में पायलट्स की कमी का असर साफ तौर पर दिख रहा है। रविवार को विस्तारा ने कहा कि वह अपनी क्षमता में 10 प्रतिशत या लगभग 25-30 उड़ानें प्रतिदिन कम कर रही है। दरअसल विस्तारा एयरलाइंस पायलट्स की कमी से जूझ रही है और उड़ानों को स्थिर करने का प्रयास लगातार जारी है। बता दें कि विस्तारा एयरलाइंस को 31 मार्च से हर दिन 300 से अधिक उड़ानें संचालित करनी थीं। विस्तारा का कहना है कि हम सावधानीपूर्वक प्रतिदिन लगभग 25-30 उड़ानों तक कम कर रहे हैं। यानी लगभग 10 प्रतिशत उड़ानें कम की जा रही हैं। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि रोस्टरों में बहुत लचीलेपन और बफर देने करने की आवश्यकता है। रद्दीकरण का असर ज्यादातर घरेलू नेटवर्क में देखा जा रहा है।

एफपीआई ने शेयर बाजारों से 325 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली। शेयर बाजारों में उच्च मूल्यांकन और आम चुनावों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) सतर्क हो गए हैं, और उन्होंने इस महीने के पहले सप्ताह में बाजार से 325 करोड़ रुपये निकाले। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक मार्च में 35,000 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश करने के बाद एफपीआई ने शुद्ध निकासी की। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिका में 10-वर्षीय बॉन्ड का प्रतिफल बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गया है, जिससे निकट अवधि में भारत में एफपीआई निवेश प्रभावित होगा। कैपिटलमाइंड के वरिष्ठ शोध विश्लेषक कृष्णा अप्पाला ने कहा कि आम चुनाव के बाद या अमेरिकी फेडरल रिजर्व से ब्याज दर में कटौती के शुरुआती संकेत मिलने पर एफपीआई वापस लौट सकते हैं।

मारुति सुजुकी ने तीन लाख इकाई निर्यात का लक्ष्य रखा

नईदिल्ली। पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड निर्यात से उत्साहित मारुति सुजुकी इंडिया को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में उसका निर्यात तीन लाख इकाई को पार कर जाएगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक निर्यात के लिए 2030 तक आठ लाख इकाई का लक्ष्य है। मारुति सुजुकी 100 से अधिक देशों में फैले अपने विभिन्न निर्यात बाजारों में और अधिक मॉडल पेश करने की योजना बना रही है, साथ ही वितरण नेटवर्क को भी बढ़ा रही है। कार्यकारी निदेशक राहुल भारती ने बताया, लगभग तीन साल पहले तक हमारा निर्यात सालाना 1 से 1.2 लाख कारों के दायरे में था। एक राष्ट्रीय नजरिए और एक व्यावसायिक महत्वाकांक्षा के तहत हमने इन स्तरों से भारी वृद्धि करने का फैसला किया और 2022-23 में हम लगभग 2.59 लाख इकाइयों पर पहुंच गए।

सभी निवेशकों का स्वागत करने का सही वक्त

निवेदिता मुखर्जी

अगर एपल जैसा कोई शीर्ष वैश्विक ब्रांड, भारत में रिकॉर्ड स्तर पर रोजगार के मौके तैयार कर सकता है तब बेवजह अधिक समय लगाने वाली 'लालफीताशाही'की व्यवस्था कायम करने के बजाय इनका स्वागत किए जाने के विचार को और अधिक तेजी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। अनुमानों से अंदाजा मिलता है कि अगस्त 2021 में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के लागू होने के बाद से भारत में ऐपल उत्पाद के निर्माण से प्रत्यक्ष नौकरियों के कम से कम 150,000 मौके तैयार हुए हैं।

अमेरिका के कूपर्टिनो की यह कंपनी, भारत में कुशल श्रमिकों के लिए रोजगार के अधिक मौके तैयार कर रही है। ऐपल ने इतने कम समय में जितने रोजगार के मौके तैयार किए हैं उतना देश के किसी भी निजी समूह या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने रोजगार के मौके नहीं दिए हैं। दरअसल, 'लालफीताशाही' से 'लाल कालीन बिछाकर स्वागत करने' की बदलाव वाली रणनीति 10 साल पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव अभियान का एक अभिन्न हिस्सा था जब यह उस वक्त यह मुख्य विपक्षी पार्टी थी। वर्ष 2014 में कई राजनीतिक रैलियों में विदेशी निवेशकों का स्वागत किए जाने के कथ्य पर जोर दिया गया जिस पर दुनिया ने भी ध्यान देना शुरू किया। वर्ष 2014 में और फिर 2019 में लोकसभा चुनाव जीतने के बाद, भाजपा की थीम भारतीयता से परिपूर्ण थी जिसमें 'मेक इन इंडिया' से लेकर 'बाई इन इंडिया' और 'ट्रैवल इन इंडिया' जैसी चीजें भी शामिल थीं। फिर भी, ऐपल से जुड़ी रोजगार सृजन की कहानी बताती है कि निवेशकों का स्वागत किए जाने की रवायत

पहले भी कुछ तरीके से कायम रही है, हालांकि वैश्विक निवेशकों के लिए यह, सभी क्षेत्रों में समान रूप से नहीं रहा है।

वर्ष 2014 में भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार रहे नरेंद्र मोदी, निवेशकों का स्वागत जमकर किए जाने के सिद्धांत के पीछे की प्रेरक शक्ति थे और उन्होंने इस साल की शुरुआत में उत्तर प्रदेश के वैश्विक निवेशक सम्मेलन में भी यह बात दोहराई थी। प्रधानमंत्री ने फरवरी में कहा था कि उत्तर प्रदेश में 'डबल इंजन' वाली सरकार के सात वर्षों के दौरान लालफीताशाही की संस्कृति अब निवेशकों की सुगमता के लिए उनका खुलकर स्वागत किए जाने वाली संस्कृति में बदल गई है। पिछले साल भी जी20 व्यापार और निवेश से जुड़ी एक वर्चुअल मंत्रिस्तरीय बैठक में मोदी ने निवेशकों का स्वागत करने पर जोर दिया। वैश्विक स्तर पर उन्होंने संदेश दिया था कि भारत लालफीताशाही के दौर के बाद अब निवेशकों को आमंत्रित करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है और इसने 2014 से ही देश में 'बिना किसी बाधा के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश' के अनुकूल माहौल बनाया है। उन्होंने इसी बैठक में यह भी बताया कि कैसे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' ने विनिर्माण को प्रोत्साहित किया है। इसके साथ ही उन्होंने जी20 के सदस्य देशों से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने के मकसद से एक समावेशी वैश्विक वैल्यू चेन बनाने का आग्रह किया है। विदेशी निवेशकों का खुले दिल से स्वागत करने और 'मेक इन इंडिया' के लिए प्रोत्साहन देने जैसे कदमों के चलते ही ऐपल उत्पादों के निर्माण के साथ ही नौकरियों के मौके बने हैं। लेकिन यह प्रारूप सभी मामलों में कारगर नहीं हो सकता है। बेहतर नतीजे दिखने और गुणवत्ता पूर्ण नौकरियों के मौके तैयार करने के लिए निवेशकों को आमंत्रित करना जरूरी है और इसके लिए सभी क्षेत्रों में बिना किसी आपत्ति और विरोध के विदेशी निवेश नियमों में ढील देना ही रास्ता होना चाहिए। भारत जैसे-जैसे अपने विनिर्माण को अगले स्तर पर ले जा रहा है और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), अक्षय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और उच्च-स्तरीय संचार उपकरणों जैसे क्षेत्रों में आक्रामकता से आगे बढ़ रहा है, ऐसे में नीति निर्माताओं को बिना किसी आपत्ति वाली एफडीआई नीति पर विचार करना चाहिए। विचार यह होना चाहिए कि घरेलू स्तर से जुड़ी जटिल नीति में पड़े बिना बहुराष्ट्रीय कंपनियों को लाने की पहल की जाए।

गुरुद्वारे में भूपेश बघेल ने ये क्या कर दिया.. सिख समाज में आक्रोश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और राजनांदगांव लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार भूपेश बघेल की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही है। चुनाव प्रचार के दौरान गुरुद्वारे में मत्था टेकने पहुंचे भूपेश बघेल से एक गलती हो गई है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने से बवाल मच गया है। इससे सिख समुदाय में आक्रोश है। दरअसल पूर्व सीएम भूपेश बघेल मोजा और सिर पर टोपी लगाए गुरुद्वारे पहुंच गए। जिसे लेकर अब विरोध हो रहा है। बता दें कि शनिवार को बघेल राजनांदगांव के बाघनदी पहुंचे थे, जहां गुरुद्वारा में भी मत्था टेकने गए। उनके साथ डोंगरगांव विधायक दालेश्वर साहू और कांग्रेस कार्यकर्ता भी थे। सभी कार्यकर्ताओं ने भी मोजा पहने हुए सिर को बिना ढके गुरुद्वारे में प्रवेश किया।

इस मामले में सिख समुदाय का कहना है गुरुद्वारे में प्रवेश करते समय नियमों का पालन करना जरूरी है। जो हुआ नियम के विपरीत था। इससे समाज के लोग नाराज है। गुरुद्वारा साहेब के पावन और पवित्र स्थान में प्रवेश करने के कुछ नियम है। जिसे पालन करना पड़ता है। मोजा और टोपी पहनकर गुरुद्वारे के अंदर प्रवेश वर्जित है। इसी प्रकार सिर पर रुमाल या पटका रखकर या पगड़ी बांधकर ही श्री श्रीगुरुद्वारा साहेब में प्रवेश कर सकते हैं।

सीएम साय ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में की मतदान की अपील

जशपुर/रायपुर। जशपुर जिले के पत्थलगांव विधानसभा में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम साय ने कहा कि पत्थलगांव से विधायक का चुनाव लड़ा हूँ, लेकिन आज दिख रहा है कि यह कार्यकर्ता सम्मेलन नहीं आमसभा है क्योंकि आप लोगों की संख्या देखकर कह रहा हूँ। इस चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। मेरा सौभाग्य था कि उनके पहले कार्यकाल में मुझे राज्यमंत्री बनने का मौका दिया गया।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने गरीबों के लिए काम किया शौचालय, उज्ज्वला योजना, जनधन खाता खोलने जैसे अनेक काम किए। 2014 में अकेले बीजेपी को 282 और 2919 के चुनाव में 303 सीट अकेले बीजेपी को मिली। मोदी के नेतृत्व में राममंदिर बना, धारा 370 हटाए, सीएए लागू किया और ट्रिपल तलाक बिल पास हो गया। सीएम ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का प्रभाव इतना ज्यादा बढ़ाया कि अमेरिका, चीन, फ्रांस के प्रमुख मोदी से हाथ मिलाने के लिए आगे आते हैं। पाकिस्तान मोदी की कार्रवाई देख चुका है उसने अभिनन्दन को भारत को वापस लौटाया। हम आर्थिक मोर्चे पर 11वें नम्बर से 5वें नम्बर पर पहुंच गए हैं। सीएम ने कांग्रेस के पिछले शासनकाल पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए जमकर हमला बोला। सीएम ने कहा कि 2023 में इसलिए भूपेश बघेल को परिणाम भुगतना पड़ा। दारू दुकान में दो कैश काउंटर थे एक सरकार के खजाने में तो दूसरा कैश कांग्रेस के सोनिया गांधी, राहुल गांधी के पास भेज रहे थे।महादेव एप पर सट्टाबाजी कराने के लिए 508 करोड़ लेने के मामले में भूपेश बघेल पर एफआईआर दर्ज है।

चरणदास महंत को अच्छा मित्र बताते हुए कहा कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है जिन्होंने मोदी का सिर फोड़ने के लिए भूपेश बघेल के समर्थन में वोट मांगा, जो काफी निंदनीय है और इसका बदला लेना है। इस बार छग में कांग्रेस को खाता खोलने नहीं देंगे। इस दौरान सीएम साय ने लोगों से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने और भारी बहुमत से जिताने की अपील की।

मोदी, शाह और योगी के नाम से धमतरी के विंध्यवासिनी मंदिर में जलेगा जोत

गुमनाम ने कराया पंजीयन

रायपुर। शहर के विख्यात मां विंध्यवासिनी मंदिर में चैत्र नवरात्रि की तैयारी शुरूआत हो गई है। यहां हर साल देश-विदेश के श्रद्धालु जोत जलाते हैं, लेकिन इस बार के चैत्र नवरात्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश के गृहमंत्री अमित शाह के नाम जोत जलाने के लिए गुमनाम ने राशि जमा कराकर पंजीयन कराया है, जो शहर व आसपास क्षेत्रों में चर्चा का विषय बना हुआ है। शहर के मां विंध्यवासिनी मंदिर में इस साल चैत्र नवरात्र पर्व में जोत जलाने के लिए सात अप्रैल तक कुल 1108 श्रद्धालुओं ने राशि जमा कर पंजीयन कराया है। इन्हीं में से एक गुमनाम श्रद्धालु ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश के गृह मंत्री अमित शाह के नाम से जोत जलाने के लिए पंजीयन करा लिया है। पंजीयन के लिए मंदिर समिति ने जोत का नंबर भी जारी कर चुका है। पहली बार यहां देश के प्रसिद्ध वीआइपी के नाम से जोत जलने की चर्चा शहर व आसपास क्षेत्र में जमकर हो रही है। यह भी माना जा रहा है कि तीनों जोत की सजावट भी आकर्षक हो सकती है। मंदिर समिति फिलहाल चैत्र नवरात्र पर्व की तैयारी जोरों से कर रहे हैं। मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया है।

दुर्ग लोस चुनाव बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर. छत्तीसगढ़ के आर्थिक एवं शैक्षिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला दुर्ग जिला आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा के बाद से राजनीतिक आकर्षण का केंद्र बन गया है. लोकसभा चुनाव के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित विपक्षी कांग्रेस के चार उम्मीदवार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो उम्मीदवार दुर्ग जिले से हैं, जिससे यह जिला चुनाव से पहले चर्चा के केंद्र में आ गया है.

दुर्ग जिला 1906 में रायपुर से अलग होकर बना था. सन् 1973 में जिले का विभाजन हुआ और एक अलग राजनांदगांव जिला अस्तित्व में आया. वर्ष 2012 में दुर्ग को फिर से विभाजित किया गया और दो नए जिले ङ्क बेमेतरा और बालोद ङ्क अस्तित्व में आए. वर्ष 1955 में दुर्ग जिले में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की एक प्रमुख इकाई, भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना के साथ, यह तेजी से विकसित हुआ और आर्थिक गतिविधि का केंद्र बन गया, जिसने पूरे देश से लोगों को आर्किषत किया.

वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ बनने के बाद, भिलाई शहर इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के लिए तकनीकी संस्थानों और कोचिंग सेंटर की स्थापना के साथ एक शैक्षिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ. आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस द्वारा उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही जिले का राजनीतिक महत्व प्रदेश के विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बन गया है.

राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार भूपेश बघेल, बिलासपुर सीट से देवेंद्र यादव, महासमुंद सीट से ताम्रध्वज साहू और दुर्ग सीट से राजेंद्र साहू, सभी दुर्ग जिले से हैं. छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री बघेल पाटन विधानसभा सीट (दुर्ग जिला) से फिलहाल विधायक हैं और यादव भिलाई नगर

सीट (दुर्ग) से विधायक हैं. ताम्रध्वज साहू छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में गृह मंत्री थे और दुर्ग ग्रामीण सीट से विधानसभा चुनाव हार गए थे. इसी तरह दुर्ग लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल और कोरबा सीट से सरोज पांडे भी दुर्ग जिले की मूल निवासी हैं. विजय बघेल दुर्ग से मौजूदा सांसद हैं, जिसका पांडे ने पहले 2009-14 तक लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया था. राजनीतिक विश्लेषक आर कृष्ण दास ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जिला लंबे समय से राजनीतिक रूप से प्रासंगिक रहा है क्योंकि यह कांग्रेस के चंदूलाल चंद्राकर और मोतीलाल वोरा और भाजपा के ताराचंद साहू (जिन्होंने बाद में भाजपा छोड़ दी) जैसे दिवंगत राजनीतिक दिग्गजों का गृह क्षेत्र रहा है. उन्होंने कहा कि 2018 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के गठन के बाद, दुर्ग एक राजनीतिक केंद्र के रूप में सुर्खियों में आया, जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके तत्कालीन दो कैबिनेट सहयोगियों ताम्रध्वज साहू और गुरु रुद्र कुमार एक ही जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से चुने गए थे. दुर्ग एक राजस्व संभाग भी है जिसमें सात जिले शामिल हैं- दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गांडेई और कबीरधाम. दास ने कहा कि तीन अन्य नेता, मोहम्मद अकबर, रवींद्र चौबे और अनिला भेड़िया, जो राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मंत्री थे, दुर्ग राजस्व मंडल के विभिन्न जिलों से हैं.

उन्होंने बताया कि यहां तक कि छत्तीसगढ़ के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके रमन सिंह भी दुर्ग राजस्व मंडल के अंतर्गत आने वाली राजनांदगांव सीट से चार बार चुने गए हैं और फिलहाल विधानसभाध्यक्ष हैं. दास ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करते समय सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस का दुर्ग पर ध्यान केंद्रित करना राज्य की राजनीति में जिले की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है.

भिलाई के प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रोफेसर डी एन शर्मा ने कहा, दुर्ग जिला लंबे समय से राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है. जिले के मोतीलाल वोरा ने अविभाजित मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्य किया था. शर्मा ने कहा कि सबसे अच्छी चीजों में से एक यह है कि दुर्ग में कभी भी सांप्रदायिक हिंसा नहीं देखी गई क्योंकि जिले के नेताओं ने कभी भी सांप्रदायिक आधार पर राजनीति नहीं की.

उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव ने दुर्ग को एक बार फिर राज्य की राजनीति में केंद्र में ला दिया है क्योंकि दोनों मुख्य दलों ने उम्मीदवारों के चयन में जिले के नेताओं पर भरोसा दिखाया है. छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीट पर तीन चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को चुनाव होंगे और मतों की गिनती चार जून को होगी.

प्रमोद कुमार शर्मा का निधन

रायपुर। आरंग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टेकारी-करही वाले 62 वर्षीय प्रमोद कुमार शर्मा (उपाध्याय) का आज अपराह्न आकस्मिक निधन हो गया। वे दिल्ली हाईकोर्ट में अधिवक्ता के रूप में प्रेक्टिसरत थे। वे सुप्रीम कोर्ट में प्रेक्टिसरत अधिवक्ता श्रीमती रश्मि शर्मा के पति तथा ईशान शर्मा के पिता तथा स्व. दुर्गाप्रसाद उपाध्याय-श्रीमती चंद्रमुखी शर्मा के पुत्र, रायपुर अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी रहे व किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा, एनटीपीसी से सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक व छत्तीसगढ़ नियामक आयोग के सेवानिवृत्त सदस्य अरुण शर्मा, भौतिकी एवं खनिकर्म विभाग से सेवानिवृत्त वरिष्ठ रसायनज्ञ विनोद शर्मा तथा वरिष्ठ पत्रकार प्रशांत शर्मा व आईटीआई हथबंद में पदस्थ प्रवीण शर्मा के भाई तथा धमधा वाले सेवानिवृत्त पुलिस उप अधीक्षक राजेंद्र पांडे के दामाद थे। अंतिम संस्कार सोमवार 8 अप्रैल को अपराह्न 12 बजे ग्राम टेकारी (कुंडा) के मुक्तिधाम में किया जाएगा। श्री प्रमोद कुमार शर्मा के निधन पर विप्र समाज ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.